

ઉદ્ધૃ ભાષા અને ગુજરાતી હરફમાં  
અખલાકે મોહમ્મદી.

હુ' પરથી તૈયાર કરી પ્રગટ કર્તા

હાસમ મોહમ્મદ કાલા.

રાખ્તાવાચ ( કાઠીઆવાહ )

આટલી પાંડલી

નક્લ ૫૦૦

પ્રગટ કર્તાનિ સર્વ હક સ્વામિન સમ્પા છે.

શ્રી અમરસિંહજી પ્રીન્ડીંગ પ્રેસ અમરસિંહમાં

પાટણ નુરખાન અમીરખાન વખીરે છાપી.

શ્રીમત રૂ. ૧-૦-૦.

ગુજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાલય

[ ગુજરાતી કૉપીરાઇટ વિભાગ ]

અનુક્રમાંક ૭૪૪૬ વર્ગીક

પુસ્તકનું નામ રાખલાડે મોહમ્મદ

વિષય પૃ : ૨૪૨

ઉદ્ધૃત્ અખાન ગુજરાતી હરકોમાં,

# અખલાકે મોહમમદી.

મુળ ઉરદુ ઉપરથી તૈયાર કરી છપાવી પ્રગટ કર્તા

હાશમ મોહમદ કાળા.

રાણાવાવ.

આવૃત્તી પહેલી

વક્ર. ૫૦૦

ધી અમરસિ હલ પ્રી. પ્રેસ, અમદાવાદમાં  
પઠાણુ નુરખાન અમીરખાન વહીવે છાપી.

—(૦)—

કીંમત રૂ. ૧-૦-૦

ગુજરાત-કાઠીયાડમાં ઉર્દુ ભાષા થોડા લોકો જાણતા હોવાથી ઉર્દુની કીતાબોનો લાભ લઈ શકતા નથી તેમ જરૂરી હદીસો અને આયતોના માયના પણ સમજી શકતા નથી તેથી મારા મનમાં ખ્યાલ થયો કે જે આ અખલાકે મહમ્મદી ગુજરાતીમાં હોય તો સર્વે મુસલમાનો લાભ લઈ શકે. તેથી આ કીતાબ ગુજરાતીમાં તૈયાર કરવામાં આવી છે. તેનો લાભ મુસલમાન ઓરતો તથા મરદો ઉઠાવે એવી હું ખુદા પાસે દુઆ ચાહું છું.

આ મારો પહેલોજ પ્રયાસ હોઈ તેમાં કાંઈ ભૂલો જેવામાં આવે તો દરગુજર કરશો અને જે તે ભૂલોની સુચના કરવામાં આવશે તો ઇન્શા-અલ્લાહ બીજી વખતે સુધારવા બનતું કરીશ.

રાણાવાવ ( કાઠીઆવાડ )  
તા માર્ચ ૧૯૧૮.

ખાદીમે કોમ,  
હાશમ મોહમદ કાળા.



# અખલાકે મોહમ્મદી.

[હસ્તશ્રે અવલ.

ખિસ્મિલલા હિરરેહમા નિરરહીમ.

ખાખુલ ઇત્તેફાક.

આલે ઇમરાન રૂકુ ૧૨ આયત ૧૦૩-૧૦૪-૧૦૫.

૧ ઓર અલ્લાહકે આહદકો સખ મિલકર મળખૂત પકડો ઓર મુતદ્-રરિક નહો, અલ્લાહ તઆલાકે જો એહસાન તુમ'પર હંય ઉન્કો યાદ કરો જખકે તુમ આપસમે' દુશ્મન થે પસ ખુદા તઆલાહને તુમ્હારે ક્ષિયામે' ઉદ્દરત પેદા કર દી ઉસ્કે ફજલસે તુમ ભાઇ ભાઇ બનગએ ઓર તુમ આગકે ગઢેકે કિનારે પહોંચ ગએથે ઉસ્સે તુમકો અલ્લાહ તઆલાહને બચાયા ઇસી તરાહ અલ્લાહ તઆલા અપની નિશાનીયાં તુમપર જહિર કરતા હય તાકે તુમ હદાયત પાઓ ઓર જુરૂર હય કે તુમમેસે એક જમાઅત અયસી હો જે નેક કામકા લોગોંકો હુકમ કરતી હો ઓર ખુરે કામસે મના કરતી હો ઓર ચેહી લોગ ફલાહ પાનેવાલે' હંય ઓર ઉન લોગોંકી મિસલ નહો જે મુતદ્-રરિક હો ગએ ઓર ઇખ્તેલાફ કરને લગે બાદ ઉસ્કે કે આઇ ઉન્કે પાસ અલામતે' ઓર ઉન્કે કિયે બડા અજબ હય.

આલે ઇમરાન રૂકુ ૨૦ આયત ૨૦૦.

૨ અય ઇમાન વાલો સખ કરો ઓર આપસમે' એક દુસરેકો સખ દિલાઓ ઓર બાહમ મિલે રહો ઓર અલ્લાહસે ડરતે રહો શાયદ તુમ અપની મુરાદકો પહોંચો.

સુરએ અનફાલ, રૂકુ ૬ આયત ૪૫-૪૬-૪૭.

૩ અય ઇમાનવાલો જખ તુમ કિસી ગિરોહસે મુકાબિલ હો તો સાખિત કદમ રહો ઓર ખુદાકા જુક બહોત કરો શાયદ તુમ ફલાહ પાઓ. ઓર અલ્લાહ ઓર ઉસ્કે રસૂલકી ઇતાઅત કરો ઓર આપસમે' લડાઇ ઝગડા મત કરો કે ઇસ્સે તુમ ખુજલિલ હો જઓગે ઓર તુમ્હારી હવાબેજ હો

जमोगी. और सभ करे गेशक अस्वाह सभ करने वालोंके साथ हय और तुम इन लोगोंके भिसल नहो जे गुजर जताने और लोगोंके दिभानेके लिये निकले हों और लोगोंके अस्वाहकी राहसे रोकते हों और अस्वाहके धर्ममें हय जे वो करते हय.

सुरअे अनशस, ३६ ८ आयात ६२-६३.

४ वोह यानी अस्वाह तआला वोही हय जसने के कुवत ही तुजके अपनी महदसे और मोअमिनीनसे और उनके याअनी मोअमिनीनके दिलोंमें उदरत पैदा कर-ही अगर तु जे कुछ जमीनमें हय सभ अर्थ कर देता तो उनके दिलोंमें मोहलप्यत न पैदा कर सकता मगर अस्वाहने उनमें उदरत पैदा कर ही और गेशक वोह अस्वाह गालिय और लिकमतवाला हय.

सुरअे हुजेरात ३६ १ आयात १०.

५ सिवा इसके नहीं के सभ मुसलमान आपसमें बाध बाध हय तो अपने बाधोंमें सुलह करा दिया करे और अस्वाहके जल्पसे डरते रहे ताके तुमपर रदम किया जमे.

सुरअे हुजेरात ३६ २ आयात १०

६ अय लोगो हमने तुम्हो नर और भाइसे पैदा किया और तुम्हारे कुम्भे और कपाहलियताने ताके तुम अेक दूसरेके पैहयानो, गेशक तुम-मेंसे सभसे गुजुर्ग अस्वाहके नजदीक वही हय जे सभसे जियादा मुत-कीहो गेशक अस्वाह जननेवाला और अयरदार हय.

आहादीस.

नोअ्यमान अिन अशीर, भिरकात.

७ रसुले अकरम सलवलाहो अलयले वसव्लमने इरमाया के, तमाम मुसलमान भिसल शप्स<sup>१</sup> वालिकके हय अगर इरकी आंथमें दई हो तो

१. यह और इससे अगली हदीस कोभीयतकी हमदा तरीन भिसालोंमेंसे हय जिस तराह जसमें दिल दिमाग जगर हाथ पैर मुप्तलिक आल हय. इसीतराह काममें अभीर गरीब आलिय लडिल मुप्तलिक गिरोहके आदमी हय इस तराह दिल और दिमाग अदना अदना आल इःप दई ही तकलीर माइसूस करते हय इसी तराह ईंसानोंके तफ्कमे हमारा वंतारीम याइता हुजेरात व ओलमां व सुलोहाको आइम और नीज अना तरीन आहले इसलामके साथ हमदई और महेरआनीसे गेश आना जुइरी हय जल्पतक इन गिरोहोंमें आइम

तमाम अरुम जेवयन होजने अगर उसके सरमे शिकायत हो तो कुल अरुन जेकल हो जवे.

**अणी मुसा, भिशकात.**

८ रसुलुल्लाह सख्यमने इरमाया के मुसलमान मुसलमानके लिजे भिसल मुन्याह के हय के उरका जेक हिससा हसरके जोऊ उदानेमे मद्द करता हय हिर अपने जेक हाथकी उगलियां हसरे हाथमे डालकर अताया के धसतराह.

**नाअमान गिन अशीर, भिशकात.**

९ रसुलुल्लाह सख्यमने अलयहे वसल्लमने इरमायाके मुसलमानोके ह्यता हय के वोह आपसमे रहम और महेरआनी और महप्पत करनेमे भिसल जेक अरुमके हय अगर जेक उज्वमे शिकायत पेदा हो तमाम अरुम पर जेदारी और डरारत तारी हो जाती हय.

**सालम, भिशकात.**

१० इरमाया रसुलुल्लाह सख्यमने हर मुसलमान हसर मुसलमानका भाध हय. न इसपर गुल्म करे न उसके तनहा जेमद्दगारके छोडे. जे शप्स अपने भाधकी कोध डानत पूरी करेगा अस्लाहतआला उरकी डानत पूरी करेगा और जे शप्स किसी मुसलमानकी तकलीफ हूर करेगा अस्लाह-तआला क्रियामतकी तकलीफ उरसे हूर करेगा और जे किसी मुसलमानकी परदापोशी करेगा अस्लाह तआला क्रियामतके दिन उरको परदापोशी करेगा.

**अणी जर, भिशकात.**

११ इरमाया रसुलुल्लाह सख्यमने जे शप्स अकर जेक आलिस्तके ली गिरोहसे अलग हुवा तो गोया रसने धरलाम अपनी गरदनसे निकाल दी.१

अयसाही धततिसाह नहो नयसाके जेक अरुमके आनमे होता हय उस वक्त तक कोभीयत पेदा हो नही सकती जेक और हदीस शरीफमे वारिद हुवा हय नभ तक तुम्को अपने मां, आप और अयश अकारभसे नियादा मेरे सव महप्पत नही तुम मुसलमान नही हो सकते उरका यही भायेना हय के नभतक कोभी मुआमेलातको अपनी नतसे मुकद्दम न समझा नजे कोभीयतका मद्दुम ठीक तौर पर सादिक नही आ सकता. (मुतरज्जम)

१ यानी किसी धप्तेवाके शब्देके सभल नभाअतके छोडकर अबाहोहा नही होना चाहीजे. (मुतरज्जम)

अन धुन उभर, भिश्कात.

१२ रसुलुखाड सलखाडो अलयडे वसलुभने इरभाया के अखाड तआला मेरी उभत या इरभाया के उभते मोहभमड (स. अ. व.) का गुमराडीपर नमान करेगा और अखाडका हाथ नमाअत पर हय जे शप्स गिरोहसे अलग हुवा आग (दोज़्ज)मे गया.

धुने उभर, भिश्कात.

१३ रसुलुखाड सलखाडो अलयडे वआलेही वसलुभने इरभाया के अडे गिरोहकी पयरवी करे जे शप्स गिरोहसे अलाडेदा हुवा दोज़्जमे गया.

यलुह भिन भिश्कात.

१४ इरभाया रसुलुखाड सदअभने के नथ अेक आदमी हूसरेको भाध अनाअे तो उरका और उरके पाप और कपीवेका नाम द्याइत कर से के, धससे महप्पत मुस्ताड कम होती हय.

## पापुल अेहसान.

सुरअे अकर इकु ४ आयात ११६.

१५ और तुम अर्थ करे अखाडकी राहमे और न दावे अपनेका हलाकतमे और नेकी करे अेशक अखाड दोस्त रभता हय नेकी करनेवालुके.

सुरअे नाहुल इकु ४ आयात ३०.

१६ और कहा गया परहेनगारोंसे के क्या नाहुल किया तुम्हारे परवरदिगारने ? उन्होंने कहा के, अअ्था उन लोगाने धस दुन्यामे अलाध की हय उन्के लिये अलाध हय अेशक परहेनगारोंका हिकाना अअ्था हय.

सुरअे नाहुल इकु १३ आयात ६.

१७ अखाड तआला धन्साइका और अेहसान करनेका और रिशतेदारोंका देनेका हुकम करता हय और अेहयाध और पुरे कामोंसे और सरकशीसे तुम्को मुमानिअत करता हय और तुम्को नसीहत करता हय शायदके तुम याद रभो.



**सुरअे नाहल ३६ १६ आयात २८.**

१८ अखाह तआला उन बेगोके साथ हय ने छतेका छपत्यार करते हय ओर नीज उन बेगोके साथ हय ने बलाध करनेवाबे हय.

**सुरअे कसस ३६ ८ आयात ७५.**

१८ ओर ने कुञ्च तुञ्के अखाह तआलाने दिया हय छसे दारे आपेरतकी हीकर कर ओर अपने हिससे हन्याके इरामेश न कर ओर बलाध कर नयसी अखाह तआलाने तेरे साथ बलाध की ओर मुहकमे इसाह की पाहिश न कर अखाह तआला इसाह करने वाबेसे मोहप्यत नहीं रभता.

**सुरअे जुमर, ३६ २ आयात १०.**

२० अय मोहम्ह (स. अ. व.) हमारी तरसे केह हो के अय मेरे पदो ने यकीन लाये हो डरो अपने रभसे, उन बेगोने छस दुनियामे हसरोके साथ नेकी की हय उन्के बीअे आपेरतमे बलाध हय ओर अखाहकी नमीन इराय हय सिवा छरके नहीं के सञ्च करनेवाबोके पेहिसाय अजर दिया नवेगा.

**सुरअे रेहमान ३६ ३ आयात ६०.**

२१ क्या पहला हय नेकी करनेका सिवा नेकी करनेके ?

अहादीस.

**अपी अमाभा भिरकात.**

२२ कन्ह<sup>१</sup> (काहिरि नेअमत) वो हय के अपनी अतासे बेगोके पान रभमे ओर तनहा पाअे ओर अपने गुलामके नदो काय करे.

**अपहुदलाह छप्ने उमर भिरकात.**

२३ नमतमे अहसान अतानेवाला ओर वाबेदेनकी नाइरमानी करने-वाला ओर हमेशा शराय पीनेवाला याने दाअेमुल भत्र दाभिल नहोगा.

२४ अरके कुछ अता किया नअे याहिये के उरका पहला हे ओर

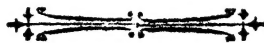
१ "कन्ह" का भाअेना अरपी नजानमे काहिरि ओर काहिरि नेअमत ओर अपील ओर नाइरमानके हय ओर निज उस गिनजर नमीनकोभी केडते हय असमे कोय चीज उग न सके. (सुतरनम)

धवण न दे सके तो उसकी तय्यारी करे उसने तारीफ़ की उसने शुक्र अर्पण किया और उसने छुपाया कुहराने तेजमत किया।

२५ हजरत आम्बेशा (२०) ने पूछा या रसूलुल्लाह अयसी क्या क्या चीज है उससे धन्कार करना नजिज़ नहीं है। आपने इरमाया के पानी और नमक और आग. इन्होंने पूछा के पानीको हम जानते हैं मगर नमक और आगकी क्या वजह है ? रसूलुल्लाहने इरमाया अथ हुमयरा उसने आग किसीको दी गोया वोह तमाम चीज सदाकी जे उस आगने पकाए और उसने कीसी शप्सको नमक दीया गोया वोह तमाम चीजे तसददुक की उनमें नमक डाला गया. और उसने किसी मुसलमानको पानी पीलाया जहां पानी कमयाय नहीं तो गोया अेक गुलाम आनद किया और उसने किसी मुसलमानको अयसी जगा पानी पीलाया जहां पानी न मिलता हो तो गोया उसके अंदा किया.

२६ अल्लाह तआलाके नज्दीक वोह शप्स अथ्ठा है जे अपने आहवायके साथ अथ्ठा हो. और पडोसियोंमें अथ्ठा वोह शप्स है जे पडोसीके साथ अथ्ठा हो याअने उससे अथ्ठा परताव करे.

२७ अेक शप्सने कहा या रसूलुल्लाह मुझे किस तराह मालूम हो के मंथ अथ्ठा करता हूं या पुरा ! रसूलुल्लाह सललल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लमने इरमाया जय अपने हमसायोंसे सुनो के वोह डेहते हैं तुने लला कीया तो अेशक तुने ललाए ही और जय हमसायोंसे सुनो के वोह डेहते हैं पुरा किया, तो पुरा किया.



आबुल छल्लास.

सुरअे जुमर, ३कु २ आयत १२.

२८ तुम कहे अथ मोहम्मद (स. अ. व.) के मुअ्की हुकम दिया गया है, जालिस अल्लाहकी अंदागी करे.

सुरअे जुमर ३कु २ आयत १४.

२९ अथ मोहम्मद (स. अ. व.) लोगोंसे डेहते के मंथ अथ्ठाए छयादत करता हूं जालिस उसीके लाअे.

३० सुनता है अथ्ठाहकी है निरी अंदागी.

સુરએ બંધેનાહ. આયત ૫.

૩૧ એર ઉન્કો હુકમ નહીં દિયા ગયા સિવા ઇસ્કે કે ખાલિસ અક્લાહ-  
હીકી બ'દગી કરેં યાઅને કિસીકો ઉસ્મે શરીક ન કરેં.

અહાદીસ.

અજ મઆજ કન્બુલ આઅમાલ.

૩૨ ખાલિસ કર અપને દીનકો (શિરક વગયરાસે) થોડા અમલબી  
તેરે લીએ કાફી હોગા.

ઝોહાક ઇબને કયસ, કન્બુલ આઅમાલ.

૩૩ ખાલિસ એર સાફ કરો અપને આઅમાલકો (રિયા વગયરાસે) કે  
અક્લાહ તઆલા ઉસી અમલકો કખૂલ કરતા હય જે ખાસ ઉસીકે લીએ હો.

અયુ હુરયરા કન્બુલ આઅમાલ.

૩૪ અક્લાહ તઆલા તુમકારી સુરતોં એર માલોંકો નહીં દેખતા  
બલકે તુમહારે દિલોંકો એર કામોંકો દેખતા હય.

મુઆવિયા.

૩૫ આમાલ મિસલ જુરફકે હ'ય જખનીએ યા અ'દરકા હિસ્સાસાફ  
હોગા તો ઉપરકા બાલા અમ્મહ હોગા.

સેઅમાન.

૩૬ બલાઇ હય મુખ્લેસીનકે લીએ યેહ લોગ ઃચિરાગે હિદાયત હય  
ઉન્હીસે હર બડે ફિતનેકી પુરાઇ દૂર હોતી હય.

અબી અમામા.

૩૭ અક્લાહ તઆલા ઉન્હી આઅમાલકો કખૂલ કરતા હય જે ખાસ  
અક્લાહીકે લીએ હોં એર સિફ અક્લાહીકી રજમ'દી ઉનસે મતલુબ હો.

## आप आदापिल मजलिस.

सुरअे हुजेरात इकु १ आयत १-२-३-४-५.

३८ अय धमानवालो सयकत न करे इयइ अखाड और उरके रसुलके और अल्लाहसे उरते रहे। अखाड सुनेवाला और जननेवाला हय. अय मुसलमाने। रसुलुल्लाहकी आवाजसे अपनी आवाजे युलंद न करे और जेरसे पात न करे। नयसे तुम आपसमे जेरसे पाते करते हो ताके तुम्हारे आमास अकारत नहो और तुमको अप्पर नहो। जे लोग रसुलुल्लाहके पास द्यी आवाजसे ओलते हंय. वोह वही लोग हंय जिन्के दियोका अखाड तआलाने तकवामे धम्तेडान करे। लया हय उन्के लिअे भगइरत और अजरै अज्जम हय. अय अप्पगंप्पर जे लोग तुमको हुजुरोके पाहरसे पुकारते हंय उन्मेसे अकसर जे अकह हंय और अजर वोह लोग धतना सय करते के तुम पुद उन्के पास पाहार आते तो येह उन्के हकमे जेहतर हुंटाता. अखाड अप्पशनेवाला भइरणान हय.

सुरअे मुजदिले इकु २ आयत ५.

३९ अय धमानवालो नय तुमको कडा जवे के मजलिसमे पुलकर जेहो पस पुल नज्जे। कुशादगी दे अल्लाह तआला तुमको और नय कडा जवे उह भउे हो, पस उह भउे हो, अल्लाह तआला उन लोगोके जे तुममे धमान लाअे और उन्को धलम दिया गया भरतंजे युलंद करेगा और जे तुम करते हो अल्लाह तआला उरकी अप्पर रयता हय,

अज्ज अज्जुरे राहुमान, अदयुल मुइरद.

४० अयु सधद पुदरीदि अेक जनानेदी अप्पर दीगध उन्को जननेमे देर हो। गध, लोग अपनी अपनी जगा जेह गज्जे जे नय लोगोने उन्को आते हुवे देभा उन्का तरश भउेह और अआज अपनी जगासे भउे हो। गज्जे ताके वोह उन्की जगा जेह. उन्हेने धससे धन्कार किया और कडाके भंयने रसुलुल्लाह सदअमसे सुना हय के आप शरमातेये कुशादाह मजलिस सयसे जेहतर हंय और वहांसे हटकर शराप जगामे जेह गज्जे.

धयने उमर, अज्ज अदयुल मुइरद.

४१ तुममेसे कोध शप्स किसी इसरै शप्सको जे पहेलेसे जेहा

हुवाहो उसका जगासे पुढ वहां भेडनेके लिये न उडाओ अके कुशादा और वसीअ जगामे भेडना आडिओ.

धुने उमर, अइयुल सुइरद.

४२ जम तुमभेसे कोध शप्स अपनी जगासे उडे और वहां शिर आवे तो वोह अपनी साभेका जगा पर भेडनेका जयादा मुस्तहिक हय.

जगिर (२०) जिन समराह.

४३ हजरत जगिर (२०) शरमाते हंय के हम जम रसुले अकरम स-हअभके पास आते थे तो जहां मजलिस अतम होतीथी वहां भेड जते थे.

धुने उमर भिरकात.

४४ रसुलुस्लाह सख्अभने शरमाया के किसी शप्सको जधन नहीं के हो आइभियोंके दरमियानमे जिला उन्की धानजतके अपने लिये जगा करे.

धुने अउदसाह.

४५ रसुले अकरम सख्अहाहो अलयहे वसहखभने शरमायाके सअसे मोअजजज मेरे नजदीक मेरे पास भेडनेवाला हय.

धुने अउभास, अइयुल सुइरद.

४६ नथीये अकरम सख्अभने मनाअ शरमाया हय के कोध शप्स किसीके उसकी जगासे उडाकर पुढ उसकी जगा न भेडे और धुने उमर रदी० अन्होके माअलुम था जे कोध ताअजमन अपनी जगासे उडता था वो वहां नहीं भेडते थे.

अभी डुरयरा अइयुल सुइरद.

४७ गली कुचों याअनी रास्तोमे भेडनेसे नथीये अकरम सख्अहाहो अलयहे व सख्अभने मनाअ शरमाया. लोगोंने अर्न् किया था रसुलुस्लाह धरके अंदर भेडा रहना अहोत दुश्वार आत हय, शरमाया अगर तुम रास्तोमे भेडा तो रास्तेका हक अदा करे. लोगोंने अर्न् किया था रसुलुस्लाह रास्तोका हक किया हय, शरमाया के पूछने वालेके रास्ता अताना और सखामका जवाअ देना और नजरके नीया रभना, अच्छी आतोका हुकम करना और पुरी आतोसे लोगोका रोकना.

### अब्दुल्लाह जीन अशर.

४८ अब्दुल्लाह ध्यने अशर केहते हंय के रसूले अकरम सल्लल्लामु मेरे आपके पास तशरीफ़ लाये. मेरे वालिदने कपडा बिछा दिया और आप ऊपर बैठे गये.

### ध्यने अब्बास.

४९ येह अत्र भसतुन हय के नय आदमी भेठे जुता निकालकर अके तरफ़ रय हे.

### हबीष ध्यने अयि सायित.

५० सहाया रही० अनहुम धस पातको पसंद करते थे के नय कोध शम्स कीसी कोमसे गुदतयु करे तो किसी पास शम्सकी तरफ़ मुतवज्जेह न हो. यलके आम तोरपर सयकी तरफ़ मुतवज्जेह रहै.

### अज सधदुल मुकरी.

५१ सधदुल मुकरी केहते हंय के मे' अब्दुल्लाह ध्यने उमरके पास गया. वोह अके आदमीसे' पाते' कर रहेये. मे'नी भडा होकर सुन्ने लगा. उन्हे'ने मेरे सीनेपर हाथ मारा और कहा नय हो आदमियोंको पाते' करते ह्यो. यहु' उन्की धननतके उन्के पास भडे नहो, मे'ने कहा अय अयु अफ्दुर राहमान युदा तुम्हारा लला करे, मंय येह याहताथा के तुमसे कोध अयली पात सुतु'.

### अब्दुल्लाह ध्यने भसउद, अदयुल मुदरद.

५२ अगर तुम तीन आदमी हो तो दो आदमी तीसरेसे' छुपाकर पात न करो धस बियेके धससे' तीसरेको रंज होगा.

### ध्यने उमर, भिशकात.

५३ नयी सल्लल्लामुने धस अत्रसे' मनाय किया हय के कोध भई हो औरतोके दरभियान होकर रास्ता यले.

### आयेशाह, भिशकात.

५४ लोगोसे उन्के दरजेके सुवादीक पेश आये.

जणिर जिन अण्डुहलाह कण्ठ.

प५ जण कोष आदमी पात करके कहीं यला जवे तो उसकी पात अमानत हय.

प६ अपने भाध (मुसलमान)की तरफ तेज नंजरसे देखना भइइह हय नेज जण वोह जवे धसे तकते रहना या येह सवाल करना के कहांसे आये हो कहां जते हो येहनी भइइह हय.

अथी अभाभा कण्ठ.

प७ अल्लाह तआला सुरा जनता हय युलह आवाजवाकेको और दोस्त रभता हय परत आवाजवाकेको.

## आयुल धस्तीजन.

सुरअे सुर इकुअ ४ आयत २८.

प८ अय मोअमिनो सिवा अपने धरके दूसरोके धरमें भत जया करो जणतक उनसे धनगत न हो और उस धरवालोको सलाम न करो. येह तुम्हारे लिये भेहतरे हय शायद तुम याद रण्णो. और अगर उसमें किसीको न पाओ तो उसमें न जाओ जणतक तुमको धनगत न दी जाये और अगर तुमसे कहा जाये के फिर जाओ तो वापस यके आओ यही तुम्हारे लिये जयादा सहाधकी पात हय. अल्लाह तआला तुम्हारे आअ-भालको जनता हय. उस धरमें जानेका हरज नहीँ जसमें तुम्हारा असपाय हो और उसमें कोष न रहता हो और अल्लाह हर चीजको जनता हय जसे तुम गहिर करते हो या धुपाते हो.

सुरअे सुर इकु ८ आयत ५८-५९.

प९ अय मुसलमानो लाज्ज हय के वौहनी तुमसे धनगत याहेँ उनके तुम मालिक हो औरजे तुमसे सने शुकरको नहीँ पहेंचिये तीन भरतया सुणैहकी नमानसे पेहले और जण तुम हो पहरको अपने कपडे उतार हो और आअह नमाने धशाके तीनीं तुम्हारे पिलवतके वक्त हय धसके आअह हरज नहीँ के तुममें कोष किसीके हां आयेँ जयेँ.

धिस तराड अल्लाह तआला तुम्हारे लिये आयते पयान करता हय और अल्लाह तआला दाना और हकीम हय और नज्म तुम्हारे अक्ल सने शुकरको पढाये तो धसी तराड धनगत से नज्मसे उनसे पेहले बोग धनगत बेतेये धसि तराड अल्लाह तआला अपनी आयते तुमसे पयान करता हय और अक्ल दाना और हकीम हय.

### अहादीस

अब्दुल्लाह, अब्दुल मुद्रद.

६० आदमीको अपने मां पाप और बाध और अहेनसें ली धनगत सेनी याहिये.

अब्दुल्लाह बिन अशर, अब्दुल मुद्रद.

६१ नज्म आदमी किसी दरवाने पर धनगत सेने के लिये गये तो दरवानेके सामनेसें न आये अलके दाहने पायेसें आये, अगर धनगत भिसें जेहतर वरन वापस होगये.

अब्दुल मुद्रद.

६२ जनी आभिरका जेक शम्स रसूलुल्लाह सलअमकी पिएमतमे हाजर हुवा और दरयाहत किया मंय अंदर आउं. रसूलुल्लाह सलअमने छोडरीसें कडाके उसने अच्छे तरीकेपर धनगत तलय नहीकी उससें गंकर कडा के धस तराड कडे अरसलामो अलयकुम क्या मंय दापिल हो सकताहुं? वो शम्स कहेता हय के मंयने धरको सुन लिया और छोडरीके आनेसें पेहले कडा अरसलामो अलयकुम मंय हाजर हुं? रसूलुल्लाहने शरमाया व अलयकुस सलाम आये, मंय दापिल हुवा और अर्ज किया के आप क्या चीज लाये हंय? रसूलुल्लाह सलअमने शरमाया. मंय अणुण बलाध के और कुछ नही लाया, धस लिये आयाहुं के तुम सिर्फ अल्लाहकी धयाहत करो जुरका कोष शरीक नही और लातो उन्नकी धयाहत छोड दो, रात दिनमे पांय नमाने पडहो और साल भरमे जेक महीनेके रोजे रफ्फो और जानजे काअपाका हज करो और अपने मालदारोंके मालसे बेा और अपने हकीरोंको दो. मंयने कडा कोष धलम अयसानी हय जे आपको माअलूम नहो. शरमाया के अल्लाह तआलाने मुनको जेहतरिन धलम दिया हय और पांय चीजे अयसी हय के सिवा अल्लाहके किसीको उन्का धलम नही, अल्लाहकी धलम हय क्रियामतका और वेही नाजिल करता



हय आराने राहमतको और जनता हय जे कुछ रहेमेमे हय याअनी लडका या लडकी, कोष नहीं जनता के कल क्या होगा और किसीको छलम नहीं हय के वोह किस जगा भरेगा.

सोपान.

६३ किसी मुसलमानको जमज नहीं हय के धनजत देनेसे पेहले किसीके घरमे अंके और जसने अयसा किया याअनी मिला धनजतके देभा तो गोया वोह घरमे दाखिल हो गया.

अता धनने यसार भिश्कात.

६४ ओक शप्सने रसूलुल्लाह सलअमसे दरयाएत किया के क्या मुजको अपनी मांसेबी धनजत लेनी याहिअे ? आपने इरमाया जेशक. उस शप्सने अर्ज किया के मंय उसके साथ ओक डी घरमे रहेता हुं. नपीये अकरमने इरमाया तपली धनजत लेना याडीअे. उस शप्सने कडा मंय उसके भादिम हुं. रसूलुल्लाहने इरमाया के धनजत गुंररा लेना याहिअे. क्या तुम याहते हो के अपनी मांको अरहेना देपो. उसने कडा नहीं. रसूलुल्लाहने इरमाया तप धनजत लेकर जअे.

धनने उमर.

६५ जप अण्डुल्ला धनने उमरकी ओलाह आलिग हो जातीथी उनको गुदा कर देतेथे के अहुं धनजतके उनके पास न आअे.

नाइअे भिश्कात.

६६ अण्डुल्ला : धनने उमरने इरमाया के जप पाबी मकानमे जअे तो कहे "अस्सलामो अलयना व अला. धयाहिस्लाहिस सालेडीन." याअनी सलाम हो डभपर और अल्लाहके नेक अहोंपर.

६७ अणु इरयरा केहते हंय के जे शप्स सलाम करनेसे पेहले घरमे आनेकी धनजत याहे उसके धनजत न दी जवे जपतक अव्वल सलाम न करे.

धन्स भीन मालेक.

६८ अनस (२०) केहते हंय के रसूलुल्लाह सलअमके इरवाने नापुनेसे अटपटाअे जते थे.

**अधी दुसरा.**

६८ रसखे अकरम सलअमने इरमाया जे शप्स धरमे जांभे उरके धरमे आनेकी धनगत नहीं देनी याहिजे.

**उमर थीन अत्ताप.**

७० हजरत उमर (२०) इरमाते हंय लसने धनगतसे पेहले सेहने महानमे अंका उसने दिसक किया.

**अथाज भिरकात.**

७१-रसखुल्लाह सललएलाहो अलयहे व सललम अडे हुवं और इर-  
माया के अल्लाह तआलाने ओहले कितायके धरमे अगयर उन्की धनगत-  
तके गना हलाल नहीं किया और उनकी औरतोको मारना न उनके इलोको  
भाना हलाल किया हय नपतक वेह उन हुकुको अदा किये गये जे  
उनपर वाज्य हंय.

---

**प्रापुल धसलाह.**


---

**सुरअे निसा इकुअ १७ आयत ११४.**

७२ उनके अकरम मशवरोमे कुछ बलाध नहीं मगर जे हुकम करे  
सदकेका या बलाधका या अस्लाहका दरमियान आहमीयोके और जे शप्स  
महज अल्लाह तआलाकी पुशनुदीके लिये अयसा करे तो हम उसको  
अजरे अलम देगे.

**सुरअे अनडाल इकुं १ आयत १**

७३ गनीमतके आरेमे लोग तुजसे पूछते हंय केह दे के गनीमत अल्लाह  
और उसके रसखके लिये हय पस अल्लाहसे उरो और आपसमे सुखेह  
कराओ और अल्लाह और उसके रसखकी धताअत करे अगर तुम  
सुसलमान हो.

**सुरअे अंभया इकुं ७ आयत १०५**

७४ और हमने पाअद नसीहतके नभूरमे लिप दिया हय के हमारे  
शायस्ता अदे नमीनके मालिक होगे.

सुरमे कसस, इक २ आयत १८.

७५ धर्माधर्मीने कडा अथ मुसा तुं याहता हय के मुजेवी धरी तराह कस करे नयसे तूने कल अेक आदमीके कल डीया हय और सिवा-  
नगिर होनेके तेरी काध जाडिश नहीं. ये नहीं याहता के तुं धस्लाह  
करनेवालो मेंसे हो.

सुरये हुजेरात इक १ आयत १०

७६ और अगर मुसलमानोके हो गिराह लडे' उनमें सुखेह कराहो और  
अगर अेक दूसरे पर ज्यादती करे तो उससे लडो जे ज्यादती करता हय  
नयतक के वोह अल्लाहके हुकमी तरफ इगुअ करे और नय इगुअ  
किया तो धस्लाह करे उनमें दुस्तीसे' और धन्साइ करे भेशक अल्लाह  
महज्जत करता हय धन्साइ करनेवालोसे सिवा धस्के नहीं के मुसलमान सय  
आपसमें बाध बाध हय पस सुलह कराओ अपने हो बाधजोमें' और  
अल्लाहसे' उरो शायद तुमपर रहम किया जवे.

अहादीस.

अथी दरदा, अदथुल मुकरद.

७७ नपीये अकरमने शरमाया क्या न आगाह करे' मय तुम्को उस  
दरजेसे जे पडड करे हय नमान रोजक और सहेकेसे'. उन्हो (सहाया) ने  
कडा भेशक रसलुल्लाहने शरमाया आपसमें सुलह कराना और आपसमें  
शसाह कराना, मिटानेवाला हय याअनी इसाह कराना धमानको मिटा देता हय.  
धमने अज्ज्भास, भिशकात.

७८ धमने अज्ज्भास केडते हय के " धतकुल्लाह वअससेहु  
जत पयनेकुम " [ अल्लाहसे' उरो और आपसमें सुलह कराओ ] इरज  
हय अल्लाहकी तरफसे' मोअमिनीन पर के अल्लाह तआलासे उरो और  
आपसमें सुलह करे.

अथु हुरयरा भिशकात.

७९ परहेज करे आपसमें थुराध डालनेसे के वोह नेक फ्याअमालको  
मिटानेवाली हय.

अथी सरमे भिशकात.

८० जे किसीके जरूर पहोंयावेगा थुदाअे तआला इस्को जरूर पहों-  
यावेगा और जे किसीके अशकतमें डालेगा अदा उसपर अशकत डालेगा.

**अम कुट्सुम षिन उडभाड, भिरकात.**

८१ अम कुट्सुम केहती हंय के भंयने रसुलुखाड सव्वअमसे सुना हय के वोड जूटा नही हय जे आदमीयेमे सुख या धरिखाड कराये और अक्की पात डहे या धरिखाडकी गरज से कोध अक्की अपर ओककी जनि-यसे हसरै के पढोयाये.

**अपी मुसा, आहया उल उलूम.**

८२ मोअमिन मोअमिनके लिये अयसा हय ज्यसे धभारत, के उरका ओक हीरसा हसरैके पायेदार करता हय.

**आहया उल उलूम.**

८३ लोगोकी आपसमे सुख कराना ओहतरीन सदका हय.

**अपू साअलया, आहया उल उलूम.**

८४ अपू साअलयासे भरदी हय उन्हेने रसुलुखाड से धस आयत " लाय इररोकुम मन दल्ल धजल ओह तदयतुम " की तइसीर पूछी. आपने इरमाया अक्की पातका डुकम करे और पुरी पातसे भनाअ करे अगर तुमको माअलूम हो के हिसकी पायदी की जती हय और आहेशात नरसकी पयरवी की जती और हुन्याको तरजुह दी जती हय और हर साहिजे राये अपनी राये पर नाज हय तो अपनी ज्ञानकी इकर करे और अवाभके उनके हाल पर छोडके के तुमहारे पीछे अयसे शितने हंय ज्यसे अघेरी रातके डुकडे. जे कोध उनमे अयसे तरीके को धपितियार करेगा जिस पर तुम हो तो उसको तुमसे पयास गिना अजर भिसेगा. किसीने पूछा या रसुलुखाड उंसवक्तके लोगोमेसे पयासके परापर होगा आपने इरमाया नही तुममेसे पयासके परापर धस लिजे के: तुमको नेक कामोमे भददगार मिल जते हंय मगर उनको बलाधकी भदद करनेवाला कोध मुयस्सर नहोगा.

**अपी अैयुथ, कन्ज.**

८५ रसुलुखाडने इरमाया अय अपु अैयुथ क्या भंय तुमको अयसा सदका न अतापु के अखाड और धसके रसुलुको पुश करे, धरिखाड करे आद-भियोकी जस वक्त उनमे इसाद पड जने और भिलाओ. उनको जप्य वे। सुतइररिह हो जवे.



## પાપુલ ધતાઅત.

સુરએ નિસા, રૂકું ૮ આયત ૫૯

૮૬ અય મુસલમાનો અધ્યાહકી ધતાઅત કરો ઓર રસૂલકી ધતાઅત કરો ઓર ઉનલોંગીકી ધતાઅત કરો જે તુમમેંસે હુકમરાં હંય પસ અગર તુમમેં કિસી ચીજ પર આપસમેં ઝગડા હો ઉસે અલ્લાહ ઓર રસૂલકી તરફ રુબુઅ કરો અગર અલ્લાહ પર ઓર રોજે આપેરત પર ધમાન રખતે હો. યેહ અચ્છા હય ઓર ખેહતર તાવીલ હય.

સુરએ નિસા રૂકું ૯ આયત ૬૯

૮૭ ઓર જે શખ્સ અધ્યાહ ઓર રસૂલકી ધતાઅત કરે પસ યેહ બોગ ઉન્કે સાથ હોગે જનપર અધ્યાહને ધનઆમ ક્રિયા નખીયોં ઓર સિદ્દીકોં ઓર શહીદોં ઓર નેકોંમેંસે ઓર યેહ રશીક બહોત અચ્છે હંય.

સુરએ અનકાલ રૂકું ૩ આયત ૨૦

૮૮ અય મુસલમાનો અધ્યાહ ઓર ઉસકે રસૂલકી ધતાઅત કરો ઓર ઉસસે મત કિરો જય કે તુમ સુનતે હો.

અહાદીસ.

માલિક ધખને અનસ, મિશકાત.

૮૯ રસૂલુલ્લાહ સલ્અમને ફરમાયા કે મંય દો ચીજોં છોડતાહું જખતક તુમ ઉનપર કાયમ રહોગે હરગિજ ગુમરાહ નહોગે, અધ્યાહકી કિતાબ ઓર ઉસકે રસૂલકી સુન્નત યાઅની તરીકા.

અબુ હુરયરા, મિશકાત.

૯૦ રસૂલુલ્લાહ સલ્અલ્લાહો અલયહે વસલ્અમને ફરમાયા કે જસને મેરી ધતાઅતકી ઉસને અધ્યાહ તઆલાકી ધતાઅતકી ઓર જસને મુઝસે સરકશીકી ઉસને અધ્યાહસેં સરકશીકી ઓર જસને અમીરકી ધતાઅતકી ઉસને મેરી ધતાઅતકી ઓર જસને અમીર યાઅની હાકિમસેં સરકશીકી ઉસને મુઝસે સરકશીકી ઓર ધમામ દાલ હય. જસકી આડમેં લડા જતા હય. ઓર ઉસીસે બચાયા જતા હય ઓર હાકિમ પરહેજગારી ધખતિઆર કરે.

ઝોર ધનિસાદકા તરીકા બરતે તો ઉસકા અબર ઉસકો મિલેગા વર ન ઉસકા બાર ઉસપર રહેગા.

### ઉમ્મુલ હસીન, મિશકાત.

૯૧ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વસલ્મને ફરમાયા અગર નક્ટે અલામકો તુમ પર હાકિમ ફરદિયા જાએ ઝોર વોહ કિતાબુલ્લાહકે સુવાદિક તુમકો ચલાએ તો ઉસકી સુનો ઝોર ધતાઅત કરો.

### ધખને ઉમર.

૯૨ મુસલમાન આદમોપર સુનના ઝોર ધતાઅત કરના લાજિમ હય ઉન ઉમરમે જે પસંદ હોં. ઝોર નીજ ઉન ઉમરમેલી જે પસંદ નહોં જખતક ગુનાહકા હુકમ ન દિયા જવે મગર જખ ગુનાહકે લિયે હુકમ હો તો ઉસકા સુનના ઝોર ધતાઅત કરના નહીં ચાહિએ.

### અલી (૨૦) મિશકાત.

૯૩ રસૂલુલ્લાહને ફરમાયા કે ખુદાએ તઆલાહી નાફરમાનીમે ધતાઅત નહીં કરની ચાહીએ ધતાઅત સિદ્દ નેક ખાતોંહીમે કરની લાજિમ હય.

### ધખને અખ્યાસ, મિશકાત.

૯૪ જે શખ્સ કિસી અપને અમીરકી તરફસે કોઇ ખુરાઇ દેખે ચાહીએ કે સખ્ષ કરે ધસિલાએ કે જે શખ્સ જમાઅતસેં મુશરેકત કરે ઝોર ધસી હાલમેં મરજાએ તો જહિલીયતકી મોત મરેગા.

### અખુ હુરયરા મિશકાત.

૯૫ અખુ હુરયરા કેહતે હંય મંયને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વસલ્મને સુના કે ફરમાતે થે કે જે ધતાઅતસે ખાહર હો ઝોર જમાઅતસે અલગ હો જાએ ઝોર ધસિ હાલતે મુશરેકતમેં મરજાએ તો જહિલીયતકી મોત મરેગા. ઝોર જે અયસે ઝંડેકે નીચે લડે જિસ્કા હક પર હોના માઅલૂમ નહો ઝોર ઉસ્કા મજબૂ માહજ તઅસસુખ પર મખનીહો, તઅસસુખકી લાગોંકો તરગીબ દે, ઝોર તઅસસુખકી મદદ કરે યાઅની અલ્લાહકે લિએ ન લડે. પસ અગર વોહ કતલ હોગા તો જહિલીયતકી હાલત મેં કતલ હોગા ઝોર જે મેરી ઉમ્મતપર શમ્શીર કશી કરે ઝોર નેક ઝોર બદકો મારે ઝોર મોઅમિનસે દરગુજર ન કરે ઝોર ન સુઆહદા વાલોંકા આહદ પૂરા કરે વોહ મુઝસે નહીં હય ઝોર ન મંય ઉસસે હું.

**अपहृतला धमने उभर.**

६६ इरमाया रसूलुख्ताह सख्मने जे धमाभसे प्ययत्त करे और खुलस कल्पसे और अपना हाथ उसके हाथमे दे उसपर वाजिम हय के उसकी धतायत्त करे जहाँतक मुमकिन हो अगर दूसरा उससे मुनाकशा करे तो उसको कत्ल करे।

६७ मंयने रसूल सलखाहो अलयहो वसख्मने सुना हय के जे शप्स तुम्हारे पास आये जयके तुम अेक शप्स पर मुतदिक होगये हो और येह याहे के तुम्हारे गिरोहमें तदरका पयदा करे उसको कत्ल करे।

**छारेमुल अशअरी, भिश्कात.**

६८ रसूलुख्ताहने इरमाया के पांय मीनका तुमको हुकम करता हुं जमायतका और सुनने और धतायत्त करनेका और हिनरतका और अस्लाहकी राहमें कोशिस करनेका और जे शप्स अेक यालिश्तबी गीरोह से अलाहिदा हुवा हलकअे धस्लामसे पाहर हुवा मगर येह के इणु करे और जे शप्स जहिलियत के दायवोंकी तरफ लोगोंको पुलाअे वोह दोज-पका अेधन हय अगरअे रोज रपये और नमान पडहे और शुमान करे के वोह मुसलमान हय.

**जियाह भिन कसीय, भिश्कात.**

६९ जियाह केहते हंय अणूअकर (२०) हमराह धमने आभिरके भिअर के करीय मेठाया और धमने आभिर पुतया केहता था और पारीक कपडेका लिपास पेहन रहाया, अणू मिलालने कहा हमारे अमीरको देभो ओपाशुंकासा लिपास रपता हय अणूअकर (२०) ने कहा आमोश रहे मंयने रसूलुख्ताहसे सुना हय जे उस शप्सकी अहानत करे जिसे अस्लाहने जमीनका पादशाह बनाया हो अस्लाह उसकी अेहानत करता हय.

**नवास भिन सभ धयान.**

१०० रसूलुख्ताह सलखाहो अलयहो वसख्मने इरमाया हय के पुदाकी नाइरमानी में किसीकी धतायत्त वाजिम नहीं.

**कअय धमने अणूअ भिश्कात.**

१०१ रसूलुख्ताहने इरमाया के मंय अख्ताहकी पनाह याहताहुं आहमकीकी हुकमतसे कअयने पूछा या रसूलुख्ताह धससे क्या मुराद हय

आपने इरमाया मेरे अन्धा अमीर होंगे जो लोग उनके पास लगे और उनके झूठी तसदीक करेंगे और जुल्मपर उनके मदद करेंगे वोह मुझसे नहीं हंय और न मंय उनसे हूं और वोह मेरे साथ होलें कोसर पर न होंगे और जो अयसे अमीरके पास नहीं लगे और न उनकी झूठी बातोंकी तसदीक करेंगे और न जुल्म करनेमें उनकी मदद करेंगे फस वोह मेरे गिरे-हसे हंय और मंय उनमेंसे हूं यही लोग होलें कोसर पर मेरे साथ होंगे।<sup>१</sup>

## आपुल अमतेदाल.

**सुरअे अकर इकु १७ आयत १४३.**

१०२ धसी तराह हमने तुमको मोअतेदिल उम्मत बनाया ताके तुम गवाह हो आदमियों पर और रखल तुम पर गवाह हों.

**सुरअे लुकमान, इकु २ आयत १६**

१०३ और लोगोंसे ये इफी न कर और जमीन पर छतराता हुवा न चल, अह्लाह इसी गुजर और शपर करनेवालेमें महज्जत नहीं रभता अमतेदाल रभ अपनी रशतारमें और अपनी आवाज परत कर सभसे पुरी आवाज गधेकी हय.

अडादीस.

**धफने अफ्मास अहपुल मुइरद.**

१०४ नफीये अकरम सलज्जमने इरमाया के अच्छा तरीका और नेक सीरत और मियाना रवी सितरवां हिस्सा हय नफुवतका.

**धफने उमर, मिश्कात.**

१०५ धफने उमर केहते हंय के उभरान्तमें मियाना रवी धभतियार करना आधी महशत हय और आदमियोंसे महज्जत रभना निश्च अकल और उम्दा तोरसे सवाल करना निश्च धलम हय.

१. फस हदीस पर उन लोगोंको निहायत गार करनां चाडिअे जो उमेशके पास आमदो रकत रभते और उनकी ता'रीफ तवसीफ हदसे लछे करते हंय और उनकी नालिज्ज आहेशातकी ताहह करते हंय.



छप्पने उभर, भिरकात

१०६ किसी शम्सको दीनमें पसीरत जियादा नहीं होती के उसके आअमालमें अयतदाह और मियाना रवी न आअवे.

अभी अभाभा, कन्ज

१०७ परहेज करे माल और उभराजतमें जेज सख करनेसे और अयतदाह छपतियार करे, कोछ कोम कबी शकीर नहीं होती जयतक अयतदाह पर रहे.

छप्पने अमीस, कन्ज.

१०८ क्या अय्यल हय अयतदाह तवंगरीमें, क्या अय्यल हय अयतदाह शकीरीमें. क्या अय्यल हय अयतदाह छप्पादतमें.

जामिर, कन्ज.

१०९ अय लोगो अयतदाह छपतियार करे, अयतदाह छप्पातयार करे, अयतदाह छपतियार करे. अय्याह किसीको तकलीशमें नहीं डालता जय तक तुम पुद मशकतमें न पडे.

आअेशा, कन्ज.

११० उसी कहर आअमाल छपतियार करे जिसकी तुम ताकत रपतेहो अय्याह तआला तुम्को तकलीशमें नहीं डालता जयतक तुम पुद तकलीशमें न पडे.

पदीआह कन्ज.

१११ मुसलमानको लानिम नहीं के अपनेको अयसी सपतियोंमें डालकर जलील करे जिसकी वोह ताकत न रपताहो.

अय्यु मुसा, कन्ज.

११२ आदमियोंको छसलाभकी तरश थुलाओ और थुश थपरी हो और उनमें नहरत पेदा न करे.

भिकदाभ छप्पने भाअदी करण, कन्ज.

११३ जय तुम लोगोमें अय्याह तआलाका निक करे तो अयसे उभरका निक न करे जिससे जोध पेदा हो और उनको शाक गुजरे.

## प्रापुल आश्रमालिस सालेडा.

सुरमे अकर, ३६, ३ आयात २५.

११४ ओर पुश भणरी हे उन लोगोंको जे धमान लाये ओर अछे अभल किये के उनके लिये अयसे पाग हंय जिनमे नहरें नरी हंय. जय उनको कोष शल उसमेसे भिले कहेंगे येह वही हय जे हम्को उससे पहले दिया गया ओर ओक दूसरे के मुशायेह भेवे उनको दिये जवेगे ओर उनके लिये वहां पाक भाषियां हंय ओर वोह हमेशा वहां रहेगे.

सुरमे अकर, ३६, ५ आयात ४१-४२-४३.

११५ ओर हकमे आतिलको न मिलाओ कया तुम दानिस्ता हकको छुपाते हो. नमानको काधम करो ओर नकात अदा करो ओर इकुअ करने वालोंके साथ इकुअ करो. कया तुम दूसरोंको नेक काम करनेको कहतेहो ओर अपने नशको ब्रूल जते हो हालांके तुम कितायको मउहते हो कया तुम समजते नही.

सुरमे अकर ३६ ६ आयात ८२.

११६ ओर जे लोग धमान लाये ओर नेक काम किये वोही हंय आहले जनत, वोही अहिस्तमे हमेशा रहेगे.

सुरमे निसा ३६ १८ आयात १२२.

११७ ओर जे लोग धमान लाये ओर नेक काम किये उनको हम अयसे पागोंमे दायिल करेंगे उनमे नहरें नरी हंय वोह हमेशा उरमे रहेगे. अदवाहका वायेदा सय्या हय. ओर अदवाहसे अउकर पातका सय्या कोन हो सकता हय.

सुरमे निसा ३६ २४ आयात १७३.

११८ पस जे लोग धमान लाये ओर नेक काम किये उनको अह्लाह तयाला पूरा अजर देगा अहके अपने शकसे करमसे उससे श्यादा देगा मगर अहोंने गुरर ओर तकण्युर किया उनको सप्त अजय देगा ओर वेह शुदाके सिवा किसीको अपना यारो मददगार न पाओगे.

सुरमे भायेदा ३६ २ आयात १०.

११९ अह्लाह तयालाने वायेदा किया उन लोगोंसे जे धमान लाये

और उन्होंने नेक काम किये के उनके लिये भगईरत और अडा अजर हय.

**सुरमे अनग्राम ३६ ८ आयत ७०**

१२० और उनको छोड दे उन्होंने लाहवे। लम्पको अपना दीन करार दिया हय और हयाते हुनवीने उनको घोकैमें डाल दिया हय उनको ईमाधश करके हर शम्स अपने किरदारमें मुफ्तला किया नवेगा सिवाय अक्षाहके कोछ उरका होस्त और सीशरिश करनेवाला न होगा और अगर पूरा इह्या दे तोली नहीं लिया नवेगा. यही लोग हंय जे अपने आअ-गालमें गिरइतार किये नवेगे उनके पीनेके लिये गर्भ पानी होगा और अजग सप्त होगा क्योकि वे कुशर कियर करते थे.

**सुरमे रअह ३६ ३ आयत २१-२२-२३-२४**

१२१ और नीज येह वोह लोग हंय के मिलाते हंय उनको उरके निरके मिलातेका अक्षाहने हुकम दिया हय और अपने परवर दिगारसे उरते हंय और हिसाग ( कियामत ) की सप्तीसे पोर रहते हंय और निज लोगोंने अपने परवरदिगारकी रजमंदीके लिये सध किया और नमानको दाम किया और जे रिजक हमने उनको दियाथा : उसमेंसे अलानिया और पोशीदा तोर पर भय किया और पुराई के अवनमें नेकी करते हंय उन्ही लोगोके लिये हय दारे आपेरत. हमेशा : रेहनेके लिये आग हंय, निजमें वोह दामिल होंगे और नीज उनके पुनुगी और उनकी पीभियों और ओलाहमेंसे जे नेक कार हंय, और इरिस्ते जन्नतके हर दरवानेसे उनके पास : आओगे और उनसे " सलामे अलेक " करेगे और कहेगे के हुनियामे जे तुम सध करते रहे हो येह उसीका सिला हय मो तुम्हारी हुन्याकाली अच्छा अंजम हुवा.

**सुरमे रअह, ३६, ४ आयत २६.**

१२२ जे लोग धमान लाये और नेक अमल किये उनके लिये पुश-हाली हय और अच्छा डिकाना.

**सुरमे नहल. ३६, १३ आयत ६७.**

१२३ भरहा औरतमेंसे निरने नेक काम किये और वोह मुसल्माननी होतो हम उनको पाकीज हयात अता करेगे और उनके जेहतर आअमालकी उनको जजमे पयर देगे.

### सुरम्मे केडेके आयत ३०-३१.

१२४ जेशक जे लोग धमान लाये और अमलबी नेक क्रिये आपे-  
रतमे उनके लिये मन्ने हय क्योके हम उनके अन्तरको जयेअ नहीं करते  
जे अच्छे अमल करे यही लोग हय जिनके रेहनके लिये हमेशगी के पाग  
हय के जेमे नेहरें जरी हय उनको वहां सोनेके हार नूपेहनाये जअयेगे  
और वो दीवान और पारीक रेशमका लिपास जेणे तन करेगे और  
तपतोपर तकये लगाये जेठे हुवे होंगे. क्या भूय सवाय हय और क्यसी  
आरामकी जगा.

### सुरम्मे केडेके ३कु १२ आयत १०७-१०८-१०९-११०

१२५ अलपता जे लोग धमान लाये और नेक अमलबी क्रिये  
उनकी जयाइतके लिये द्दिरोसे जरीके पाग होंगे जन्मे' वोह हमेशा रहेंगे  
और वहांसे उठना नहीं आहेंगे. अय मोहम्मद धन लोगोंसे कह हो के  
अगर समंदरका सारा पानी सियाही हो जय तो कपल धरि के मेरे पर-  
वरदिगारकी जाते तमाम हों समंदर पतम हो जअये अगरये हम वयसाही  
दूसरा समंदर उसकी मददको लाये. अय पैगम्बर धन लोगोंसे कहे के मंय  
बी तुम जयसा जेक जशर हु मगर मेरे पास पुदाकी तरफसे वही आती  
हय के तुम्हारा माअयुद सिर्' जेकही माअयुद हय पस जरको अपने  
परवरदिगारसे मिलनेकी आरजु हो उसको लाजुम हय के वोह अच्छे काम  
करे और किसीको अपने परवरदिगारकी ध्यादतमे शरीक न करे.

### सुरम्मे भरयम ३कु ५ आयत ७७

१२६ और जे लोग राहे रास्तपर हय अक्षाक उनको और जयादा  
हिदायत करता हय और आअमाल नेक जनुका असर पाकी रहे सवायके  
जेअतेपारसेली अक्षाकडे नजदीक जेहतर हय और अंजमके जेअतेपारसेली.

### सुरम्मे इतिर ३कु ४ आयत ३१-३२.

१२७ द्दिर हमने अपने जदोंमेसे उन लोगोंको कितायका वारस ठेराया  
उनको हमने मुन्तपय शरमाया द्दिर जन्मेसे पाअज अपनी जनोंपर  
सितम कर रहे हय और पाअज जेअतेदल पर हय और पाअज उन-  
मेसे पुदाके हुकमसे नेक्रियोंमे आगे जडेह हुवे हय येह पुदाका जडा इजल  
हय. और हमेशा रेहनके ये पाग हय के ये लोग उनमे जवेगे और जन्मे

ઉંઠો સોનેફિ કાંગન ઝોર મોતી પેહનાએ જાએગે ઝોર વહાં ઉંઠા લિખાસ રેશમી હોગા.

મુરએ જુમર રૂકુ ૨ આયત ૧૦

૧૨૮ અય પેગખર ઇન લોગોંસે કેહ દો અય મેરે ખદો જો ઇમાન લાએ હો ડરો અપને રખસે જો લોગ ઇસ દુન્યામે' નેકી કરતે હંય ઉંકે લીએ બલાઇ હય ઝોર ખુદાકી જમીન વસીઅ હય સખ કરને વાલોંહીકો ખોહિસાખ અજર દિયા જાએગા.

મુરએ તગાખુન, રૂકુ ૧ આયત ૯

૧૨૯ ઝોર રોજે કિયામત જિસદિન અદલાહ તુમકો જમાઅ કરેગા ખસારેકા દિન હય. ઝોર જો શખ્સ ઇમાન લાએ ઝોર નેક અમલ કરે ખુદાએ તઆલા ઉસકી ખુરાઇયાં દૂર કરેગા ઝોર ઉરકો અપસે ખાગોંમે' દાખિલ કરેગા જિન્કે નીએ નેહરે' જરી હંય વોહ ઇન ખાગોંમે' હમેશા રહે'ગે. અસલમે' યહી ખડી કામયાખી હય.

મુરએ અશ્ર,

૧૩૦ અશ્રકે વક્તકી કસમ, કે તમામ આદમી ઘાટેમે' હંય, અગર જો ઇમાન લાએ ઝોર નેક અમલ કિયે ઝોર એક દૂસરેકો હકકી હિદાયત કરતે રહે ઝોર નીજ જો એક દૂસરેકો મુસીખતમે' સખકી હિદાયત કરતે રહે.

ખાખ ઇકામીલ અકબિરે વ ઇજલાલેહીમ તવકીરેહીમ. ■

અજ જબિર.

૧૩૧ રસૂલે અકરમ સદલ્લાહો અજયહે વસલ્લમને ફરમાયા કે, જો હમારે ખુજુર્ગોંકી ઇજ્જત ન કરે ઝોર હમારે છોટોં પર રહમ ન કરે વોહ હમમે'સે નહીં હય.

અજ અશઅરી.

૧૩૨ અદલાહકી ઇજ્જત કરનેમે' દાખિલ હય ઇજ્જત કરની ખુદે મુસલમાન ઝોર હાફિજે કુરઆનકી જો ગાલી ઝોર જરી નહો ઝોર ઇજ્જત કરની ખાહશાહ આદિલકી.

सम्बन्ध धुणने आस.

१३३ रसूलुल्लाहने इरमाया के अडे बाधका हक छोटे बाधज्यां पर अयसा हय जयसाके आपका हक भेटे पर.

अनस.

१३४ रसूलुल्लाहने इरमाया के कोछी जवान किसी खुटे शम्सकी उरकी किथ सनीकी वज्हेसे धण्णत करता हय तो खुदाजे तज्याला उरकी पीरीके जमानेमे अयसा शम्स पेदा करहेता हय जे उरकी धण्णत करे.

धुणने सम्बन्धास.

१३५ रसूलुल्लाहने इरमाया वो शम्स हमारे गिरोहसे नहीं हय जे हमारे छोटेपर रहम न करे और हमारे पुण्णुर्गका अद्वय न करे और बला-धकी तरगीय न हे और पुराहसे मनाअ न करे.

आहयाउल उलुम.

१३६ जिसने अपने मुसलमान भाधकी धण्णत की उसने गोया अल्लाहकी धण्णत दी.

जमरा.

१३७ वोह शम्स हमारे गिरोहमेसे नहीं हय जे हमारे अडेकी धण्णत न करे और छोटेपर रहम न करे पुण्णुर्गका हक न समझे और वोली हममेसे नहीं हय जे हमारे साथ भियानत करे कोछी मुसलमान उस वक्त तक मुसलमान नहीं होता जण्णतक मुसलमानके लिये वोही पसंद न करे जे अपने लिये पसंद करता हय.

अथी हुरयरा, तरगीये तरतीय.

१३८ इरमाया रसूलुल्लाह सल्अमने के धल्म सिप्पाओ और धल्मके लिये सुडन और वकारकी ताअलीम दो और इससे धल्म हासिल करे उसके साथ तवान्नेअसे पेश आओ.

सहलथीन शाअदी, तरगीये तरथीय.

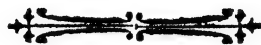
१३९ रसूलु अकरम सल्अमने इरमाया अय अल्लाह मंय अयसे जमानेको न पाकि या येह इरमाया के तुम अयसे जमानेको न पाओ इसमे

आलिमकी धताअत न की जवे और आलिमसे शर्म न की जवे, इन्के दिल अजभियोकिसे होगि और जपान अरणकीसी.

अथी अभाभा, तरगीये तरतीय.

१४० तीन आदभियोंकी तवहीन सिवाय मुनाशिकके कोष नहीं करता पुढे मुसलमानकी, और आलिमकी और धमाम आदिलकी.

पाप धिकाभील अहाबिरे व धन्सावेहीम तवडीरेहीम.



### पाप धकतसाबिल मन्शा.



सुरअे अकर, ३कु २प आयत १८८.

१४१ धसमे' कुछ हरज नहीं के तुम अपने रणका खल याहो याअनी मसलन तिजरतसे कोष भावी द्वाअेदा हांसिल करे.

सुरअे अकर, ३कु २प आयत २०२

१४२ और पाअज उनमे'से डेहते हय के अय हमारे परवर दिगार हुन्यामे'भी हमको ललाध अताकर और आपेरतमे'भी और हमको दोजअके अजअसे अया यही वोह लोग हय जिनको अपनी कमाधमे' हिससा याअनी सवाय हय और अदलाह जल्ल हिसाअ लेनेवाला हय.

सुरअे निसा, ३कु ५ आयत २२.

१४३ और उस खीजकी तमन्ना न करै जिसमे' अदलाह तआलाने तुममे'से पाअजको पाअज पर खजत दी हय मरहोंका हिससा हय अपनी कमाधमे' और औरतोंका हिससा हय उन्की कमाधमे', और अदलाहके इजलके आहां रहे, जेशक अदलाह हर खीज को जनता हय.

सुरअे आअराइ ३कु १ आयत १०

१४४ और अय अनी आदम हमने तुम्को जमीनमे' कुदरत अताकी और उसमे' तुम्हारे लिये मन्शा पेदाकी लेकिन तुम अहोतडी कम शुक्र करते हो.

**सुरअे भुज्जग्भिल, इकु र आयात २०**

१४५ ओर दूसरे वोड हंय के 'जमीनमे' :सकर करते हंय अस्लाहके इजलसे रोजके तलयगार हंय.

**सुरअे नथा, आयात २०**

१४६ ओर हमने रातको खियास पनाया ओर दिनको रोजके लिये पनाया.

**अहादीस.**

**अपहुस्लाह धपने भसउिद, अयइल भवाधज.**

१४७ हलोह रोजका पेदा करना इर्न हय आअद इराधजके याअनी आअद नमाण रोजके.

**रोकेअ.**

१४८ दरयाइत किया गया के या रसूलुस्लाह कोनसी कमाध सपसे ओहतर हय आपने इरमाया के अपने हाथकी मेहनतकी कमाध ओर हर तिनरत जिसमे' किज्ज ओर भियानत नहो.

**आहुयाउिल उलुम.**

१४९ इससे ओहतर हलालका ખાના કોષ નહિ' ખા सकता जे अपने हाथकी कमाधसे ખાता हय. ओर इजरत दाउद अलयहिरसलाम अपने हाथकी कमाधसे ખાते थे.

**आहुयाउिल उलुम.**

१५० जे शप्स गदा गिरीसे पयने ओर अपने आहलो अयालकी परवरिश करने ओर हमसायुंकी अयरगीरीके लिये हलाल तरीकेसे दुन्या तलय करे खुदा तआलाके पास वोड अयसी हालतमे' जवेगा के उरका येहरा अदरे मुनीरकी तराह यमकता हुवा होगा.

**आहुयाउिल उलुम.**

१५१ सपसे जियादा हलाल रोज जे धनसान आ सकता हय वोड उरके हाथकी कमाध हय जज्जके ખાલिस हो, याअनी दगा इरेअसे पाक हो.



धुआरी.

१५२ तुममेंसे किसी शम्सका लकड़ीयोंका गढ़ा अपनी कमरपर लाना किसी दूसरे शम्ससे सवाल करनेसे बेहतर है के हैं या न है.

धुआरी.

१५३ तुममेंसे किसी शम्सका अपना गार आप उठा लेना सवाल करने यांअने लीक भगनेसेबेहतर है.

१५४ अनसारमेंसे एक शम्स रसूलुल्लाह सव्मभसे कुछ भांगने आया आपने इरमाया के कथां तेरे घरमें डोछ चीज नहीं ? उसने कहा सिर्फ एक कम्मल है के कुछ हिरसा उसका जोड़ लेते कुछ पिछा लेते है और एक कलसहै है जिससे पानी पीते है. रसूलुल्लाहने इरमाया दोनों मेरे पास लाओ. वोह ले आये रसूलुल्लाहने उन दोनोंको हाथमे लेकर कहा के छन्दे डोछ ખરીदता है हाजरीनमेंसे एक शम्सने कहा के मंय छन दोनोंको एक हिरममें लेता हूँ. आपने दो या तीन भरतया इरमाया के एक हिरमसे नजदनी डोछ देता है ? दूसरे शम्सने कहा के मंय दो हिरममें लेता हूँ. रसूलुल्लाहने वोह उरको दे दिये और दोनों हिरम लेकर अनसारीको दिये और इरमाया एक हिरमसे अश्यामे खुरदनी लाकर अपने आहलो अयालको दे दो और दूसरेकी कुल्हाडी खरीदकर मेरे पास लाओ. वोह कुल्हाडी खरीद कर लाओ तो रसूलुल्लाहने अपने हाथसे उसमें हस्ताह लगा दिया और उनसे कहा नज्जो और लकड़ीयां लाकर इरोप्त करो मंय तुम्हो पंदरा रोजतक न दैमु, वोह अले गये और लकड़ीयां (जंगलसे) लाते और इरोप्त करते रहे जय दुआरा रसूलुल्लाहकी पिदमतमें हाजिर हुये हस हिरम उनके पास नभाअ होगये थे. उनमेंसे अंद हिरमका कपडा खरीदा और अंद हिरमका आनेका सामान. रसूलुल्लाहने इरमाया के येह उससे बेहतर है के क्रियामत के दिन लीक भांगनेके सयय सियाहीका टीका तुम्हारे माथे पर हो. सवाल करना तीन आदभियोंके सिवा किसीको शायं नहीं. १ निहायत सप्त भूकेको २ या जिसपर बेहैद तावान आ पडा हो. ३ या सप्त दैत अदा करनी हो.

अयइल भवाइज अन अथी हुरयरा.

१५५ अल्लाह तआला पाक है पाकके सिवा किसी चीजको कुपल नहीं करता. अल्लाह तआलाने मुसलमानोंकोभी उसी तराह हुकम दिया है

जिस तराह अणियाको हुकम दिया है अणियासे इन्द्रमाया के अण रसले पाक यीनेमेसे आओ और नेक अमल करो. और मुसलमानोंसे इन्द्रमाया अण भोअभिनो ने पाक रोज़े हुमने तुम्हो दी है उसमेसे आओ शिर जिंक इन्द्रमाया के आदमी परेशां-गिर्द उडाता हुवा शिरता है अडे अडे सहर करता है और हाथ आसमांकी तरफ़ डेलाता है, के या रण या रण. उरुका भोना हरामका है, पीना हरामका है, लिपास हरामका है, पस किस तराह उरुकी ये दुआ कथूल की न सकती है.

**भिरकात, अन धरने मसउद.**

१५६ इन्द्रमाया रसलुल्लाह सखअमने अण लोगो कोअ अयसी यीन पाकी नहीं रही ने तुम्हो जन्नतसे करीअ और दोअअसे दूर करे के उरुका मंयने तुम्हो हुकम न किया हो और अयसीली कोअ शय नहीं रही के तुम्हो आगसे करीअ और जन्नतसे दूर करे जिससे मंयने तुम्हो मनाअ न किया हो, इहल अमीनने मेरे दिलमे डाला है के कोअ शअस हरगिन नहीं भरेगा जअतक अपना रिजक पूरा न करे पस अल्लाहके गअअसे उरते रहे और रोज़े तलाश करनेमे अण कोशिश करे और तंगीये मआश तुम्हो धस पातपर आमाद न करे के नाअअज याअनी मआसीके जरीअे रोज़े पैदा करे ने यीन अल्लाह तआलाके कअअअे कुदरतमे है वोह ने उरुकी धताअतके हासिल नहीं होती.

## इअलीलतिअरत.

**सुरअे अनसार इकु ५ आयत २६.**

१५७ अण भोअभिनो नाहक और नाअअअ तौरपर अपने मालोंको आपसमे न आओ मगर येह के आपसमे अ रणमंदी दादो सितद तिअरतकी हो, और अपनी जनोंको हलाकतमे न डालो अेशक अल्लाह तुमपर महरअान है.

**सुरअे नहल इकु २ आयत १४.**

१५८ और वोह याअनी अल्लाह वोही है असने समंदरको तुम्हारा सुतीअ कर दीया ताके तुम उसमेसे ताअ जोस्त आओ और अपने पहे-

ननेके लिये नेवर उसमेसे निकालो, और (अथ मुष्पातिथ) तुं देभता हय  
के क्रियतिथां समंदरको धाडती यही जती हंय ताके तुम अस्लाहके इन्लसे  
भयाश तक्षय करो और शायद तुम शुक्र गुजर हो।

**सुरखे क्षातिर ३३ २ आयत १२.**

१५८ दोनों ध्यां परापर नहीं ये एक भीडा निहायत शीरी और पुश-  
गवार हय, और ये भारी कडवा हय, तुम हरखेकमेसे ताज गोस्त पाते  
हो और नेवर पडेननेके लिये नवाडेरात निकालते हो और तुम देभते हो।  
के क्रिती या नहान उस्को धाडता हुवा यहा जता हय ताके तुम अस्ला-  
हके इन्लसे भयाश तक्षय करो और शायद तुम शुक्र करो।

**सुरखे पकर ३३ ३८ आयत २७५.**

१६० और अस्लाह तयालाने तिजरत हलाल की और सह हराम किया.

**सुरखे पनी घस्राउल ३३ ७ आयत ३६.**

१६१ तुम्हारा परवरदिगार वोह हय जे तुम्हारे लिये समंदरो नहान  
नेके यहाता हय ताके तुम उस्का इन्ल याअनी भयाश तक्षय करो, घस्मे  
शक नहीं के पुदाओ तयाला तुमपर मेहरपान हय.

**अडादीस.**

**अथी सकद पयइल भवाउज.**

१६२ सब्या और अमानतदार सोदागर क्रियामतके रोज अंभिया और  
सिदीके और शहीदके साथ उहाया जवेगा.

**आहुयाउल उलुम.**

१६३ सभसे जियादा हवाल रोज जे आदमी भा सकता हय वोह  
उस्की कमाउ और हर तिजरत हय जिसमे खुट और भियानत शामिल नहो.

**आहुयाउल उलुम**

१६४ तिजरत तुम्हो जुडर करना यादिके घसलिके के ८/१० डिस्स  
रिजक तिजरतमे हय.

**सुहुयथ, भिश्कत.**

१६५ तीन खोजेमे अडोत परकत हय तिजरतमे और आपसमे

એક દૂસરેકો કરળ દેનેમેં ઝોર ધરમેં ખાનેકે લિયે નકે દૂરોપ્ત કરનેકે લિયે ધકકે સાથ જવ મિલાનેમેં.

**જાધિર, મિશકાત.**

૧૬૬ અલ્લાહ તઆલા ઉસ શખ્સ પર રહમ કરતા હય જે ખરીદને બેચને ઝોર તકાળ કરનેમેં નરમી ઇખ્તિઆર કરે.

**વાસલા, આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૬૭ અલ્લાહ તઆલા રહમ કરે ઉસ પર જે બેચનેમેં નરમી ખરતે ઝોર ખરીદનેમેં નરમી ખરતે ઝોર કર્ન દેનેમેં નરમી ખરતે ઝોર કર્ન માગનેમેં નરમી ખરતે.

**અખી ફતાવા, ખયરુલ મવાઇજ.**

૧૬૮ ખરીદો દૂરોપ્તમેં કસરતસે કસમેં ખાનેસેં પરહેજ કરો ઇસલિયે કે કસમસે ઉસવકત કામ ચલ જતા હય મગર ખરકત નહી રહેતો.

**આબુ હુરયરા, ખયરુલ મવાઇજ**

૧૬૯ કસમ રિવાજ દેતી હય માલકો કમ કરતી હય ખરકતકો.

**આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૭૦ આયેઅ વ મુક્તરી અગર સયં બોલેં ઝોર એક દૂસરેકી ખેર ખાહી કરેં તો વોહ મુઆબેલા દોનોકે લિયે મુજબે ખરકત હોગા ઝોર અગર અયબકો છુપાએં ઝોર ઝુટ બોલેં તો ખરકત જતી રહેગી.

૧૭૧ કિસી શખ્સકો જાઇજ નહીં હય કે કિસી ચીજકો બિદુ ઉસ્કા અયબ જાધિર કિયે શરોપ્ત કરે ઝોર જે શખ્સ ઉસ્કે અયબસેં વાકિફ હો ઉસ્કે હલાલ નહીં હય સિવાય હસ્કે કે ઉસ્કો જાધિર કરદે.

**આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૭૨ ઝુટી કસમસે માલ દૂરોપ્ત હો જતા હય ઝોર કમાઇ મિટ જતી હય.

**આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૭૩ તીન શખ્સ હંય કે અલ્લાહ તઆલા કિયામતકે દીન ઉનકી

तरङ्ग न द्येगा ओवल पदभूमि क्यगिर हुवम अपनी दी हुध यीनपर  
अेडसान नितानेवाडे सुवम अपना भाव कसमपर जेयनेवाडे.

**अपीनर पयडल भवाधुन.**

१७४ तीन शप्स हंय डे क्रियामतके रोज अद्वैतक तयाला न इन्से  
कलाम करेगा न इनकी तरङ्ग द्येगा ओर न इनको पाकीन करेगा ओर इनके  
लिये सप्त अज्जम होगा, अज्जुनरने कडा टोकेमे रहे ओर भायुस हुवे.  
या रसलुद्वैतक वो केन हंय आपने करमाया अेक गुडसे आनर लटकाने  
वाला हसर अेडसान नितानेवाला तीसरा जुटी कसमसे भाव जेयनेवाला.

**आधेद पिन रडाअह पयडल भवाधुन.**

१७५ तानर लोग क्रियामतके दीन कसिकों शनिरैके साथ उडाअे  
नधगे सिवाय इनके अन्डोंने परडेनगारी धपतियार की ओर रास्तआन रहे.

**अज्जु डुरयरा भिरकात.**

१७६ अद्वैतक तयालाने करमाया हय नय हो आदमी शरीक होते  
हंय इनमे तीसरा मंय करीक हो नता हुं नयतक अेक हुसरेसे पिया-  
नत न करे मगर नय इनमेसे कोअ पियानत करता हय मंय इनसे अलाडेहा  
हो नता हुं.

**अज्जु डुरयरा आड्याडल उडुम.**

१७७ अद्वैतकका हाथ हो शरीकोंपर हय नयतक ये आपसमे पिया-  
नत न करे ओर नय वोड पियानत करते हंय अद्वैतकका हाथ इनपरसे  
उड नता हय.

**हुकीम धुनने मुराम धुपारी.**

१७८ आधेअ व मुस्तरीकी कशमे मुआमलेका धपतियार हय नयतक  
वोड नुदा नहों पस अगर अन्डोंने रास्तआन अरती ओर उका अयय  
वगयरा अयान कर दीया तो इनके मुआमलेमे अरकत ही नयेगी ओर  
अगर धुपाया ओर जुट जेले तो अरकत नती रहेगी.

**आड्या उड उडुम.**

१७९ उके घोडा देना या नुकसान पहोंयाना हराम हय जो अपने  
उपर करोता करे.

आहूया उल उलुभ

१८० पाहरके सोदागरेसे आगे षड कर मत भरिदा और जे उन्से भरिदिगा तो माल वायेके धर्मितियार होगा आन्तरमें आनेके आम्ह.

आहूया उल उलुभ.

१८१ जे शम्भ गल्लेके आलीस रोजतक रोक रप्पे तो वोह अल्लाह तआलासे परी हुवा अल्लाह तआला हिससे परी हुवा.

## आपुल अमानत.

सुरअे आले धमरान इकु ७ आयत ७५.

१८२ और आहूये किताबमें आम्ह अयसे हंय के अगर तु उन्के पास जरे नकदका ढेर अमानत रप्पे वो तुझे अदा कर देंगे, और आम्ह उन्में अयसे हंय के ओकःदीनारली उन्के पास अमानत रप्पे तो वोह अदा नही करेगे मगर जयतक तु उन्के सरपर षडा हय और येह धस लिये ते वोह डेहते हंय के जडेवोके छकका हमपर गुनाह नही हय, और दानिस्ता अल्लाहपर जुट भोलते हंय, जे अपना छकरार पूरा करे और आह मुआमलगीसे अये जेशक अल्लाह जयने वालीके दोस्त रप्पता हय.

सुरअे निसा इकु ८ आयत ५८.

१८३ पुदाअे तआला तुमके हुकम देता हय के अमानत रप्पने वालीके उन्ही अमानतें अदा करे, और येहली हुकम देता हय के जय तुम लोगोंमें ईसला करे तो धन्साइसे ईसला करे जेशक अल्लाह तुमके जेहतर नसीहत करता हय, अल्लाह देपनेवाला सुनेवाला हय.

सुरअे अनइल इकु १६ आयत १०८.

१८४ अय पयगम्बर हमने किताब परहक तुअपर नाजिल की हय ताकि जयसा तुमके पुदाने जता दिया हय उन्के मुताबिक लोगोंमें हुकम करे और आयेवोके तरइदार न जने और पुदाअे मगइरत आहो, के अल्लाह जप्पनेवाला मेहरमान हय. और उन्ही तरइसे मत अगडो जे पुद अपनी जतसे जिदानत करते हंय अल्लाह

तआला भाधन गुनाहगारसे महप्पत नहीं रपता, येह लोग आदभियेसे छुपाते और वोह उनके साथ होता हय जगके वोह शपके अयसे उभरका गश्वरा करते हय जिन्से अदलाह राश नहीं और अदलाहके अहातये धरमे था जे वोह करते ये.

१८५ और अगर तुमके किसी कामसे पियानत करनेका जोर हो तो उनके मुआहदोंके मसावियाना तोरसेःउन्की तरफ डालहो अदलाह एगापान्नेसे महप्पत नहीं रपता.

**सुरअे युसुइ रक.**

१८६ एजरत युसुइने कडा येह धसत्रिये ताके उस्को भाअलूम होके मयने गाअेपाना पियानत नहीं की और अदलाह पियानत करनेवालोंका इरेअ नहीं यलाता.

अहादीस.

**अथु डुरयरा, भिरकात**

१८७ जे तुम्हारे पास अमानत रपये उस्की अमानत अदा करे और जे तुमसे पियानत करे तो उससे तुम पियानत न करे.

**अनस, भिरकात**

१८८ रसूलुदलाह सख्यमका शान्ने नाहिर कोअ पुत्पा होगा निरमे येह न कडा हो के जिसमे अमानत नहीं उस्का धमान नहीं और निरका आहद मजपुत नहीं उस्का दीन नहीं.

**अथदुदलाह धपने उभर, अदथुल मुइरद.**

१८९ यार असलतें हय अगर वोह तुअमे हों तो हुन्याके किसी चीजके कम होनेमे कुछ डरज नहीं. हुसने पुल्क, अकवे हलाल, सिदके मकाल, डिधानते अमानत.

**अनस, भिरकात.**

१९० मोअमिनमे तमाम असाधल पेदा हो सकते हय सिवाय पिया नत और अुठ के.

### ओप्यादा धुने सामत, भिरकात.

१८१ छ चीन्नेंकी तुम नमानत करे। मयं तुम्हारे लिये नमतकी नमानत करता हूँ। सय ओको नय कोध यात कडे, ओर पूरा करे नय वाअदा करे, अगर तुम्हारे पास अमानत रप्पी नअे उस्को अदा करे, ओर अपनी शर्मगाछोंकी डिक्कानत रप्पी, ओर आपे नीची रप्पी ओर हाथोंका रेके।

### उभर भिरकात.

१८२ नय तुम्को माअलुम होके किसी शप्सने अह्लाहकी राहमें पियानत की तो उस्का अस्याम नला हो ओर उस्को भारे।

### अदी कुन्नुल आअमाल.

१८३ अमानतसे रिजक हांसिल होता हय ओर पियानतसे इक.

१८४ नय कोध शप्स यात डेह कर यला नये तो वोह यात अमानत हय. (उस्को नडिर न करना आडिये.)

१८५ तमाम मजलिसोंमें अमानतदारी लज्जम हय सिवाय तीन मजलिसोंके याअनी भूतरेल व हरामकारी, ओर अगयर हकके किसीका माल ले लेनेके लिये हों. (धन्में अमानत न आडिये.)

### धुने मसउद भिरकात.

१८६ अस्में अमानत नहीं उस्का धमान नहीं, ओर अस्का आइह मज्जुत नहीं उस्का दीन नहीं. इसम हय उस नमतकी निस्के कयनेमें मोड-म्हद (स. अ. व.)की गन हय किसी शप्सका दीन हीक नहीं होता नयतक उस्की नयान हीक न हो ओर नयान हीक नहीं होती नयतक उसका दिन्न हीक नहो वोह शप्स नमतमें दापिल न होगा अस्का हमसाया उस्के अवाधक (शर) से माइकुन न हो. लोगोंने पूछा या रसुलुल्लाह (स. अ. व.) अवाधक क्या हय ? इरमाया के उस्को धोका देना ओर उसपर जुल्म करना अस्के पास माले हराम हो ओर उस्को अर्थ करे उसमें अरकत नहीं होगी ओर अगर उसमेंसे सदका दिया नअे तो वोह कुयुध न होगा ओर अे पाकी रहे वोह दोअपमें ननेके लिये नहे राइ हय माले हराम. हराम चीन्नेंका कइशारा नहीं हो सकता अगर पाक माल नेक दामोंके इत होनेका कइशारा हो सकता हय.



### उमर कुन्तुल आब्यभास.

१८७ किसीरी जियादा नमान पडने या रोज रफनेकी तरफ नजर न करो बल्के येह देषो के जग्य भात करता हय तो सय जोलता हय और अमर उसके पास अमानत रफ्फी जवे तो अदाबी करता हय. और जग्य मशकतमें मुयतिला होता हय तो परहेजगारीबी धपतिआर करता हय.

### प्रापुल अब्रेपिल भाअरुक् वनाह्ये अनिल मुन्कर.

सुरअे आले धअान, इकु ११ आयत १०४ १०५

१८८ लाजिम हय के ओक गिरोह तुममें अयसा हो जे-के लोगेके बलाघडी रगयत हिलाओ और अच्छे कामोका हुकम दे. और पुरामयेसे मनाअ करे और यही लोग मुरादके पानेवासे हय.

सुरअे आले धअान, इकु १२ आयत ११०

१८९ जे उम्मतों दुनयामें पैदा की गय हयं तुम मुसलमान उन सयसे जेहतर होके हुकम करते हो बलाघडा और रोकते हो पुरामके और धमान लातेहो. अदवाह पर अगर आदवे किताअबी धमान लाते उनके लिये जेहतर होता. पाअज्ज हन्नेसे मोअमिन हयं मगर अकसर हासिक हयं.

सुरअे आले धअान, इकु १२ आयत.

२०० वोह सभ पुराअर नहीं हयं आदवे किताअमेंसे पाअज्ज राहे रास्त पर हयं के रातोका अदवाहकी आयते पडते हयं और सिज्दा करते हयं अदवाह पर और रोजे कियामत पर यकीन रफते हयं और बलाघडा हुकम करते हयं पुरामसे मनाअ करते हयं और अच्छे कामोंमें सयकत करते हयं यही लोग हयं सानेहीनमेंसे.

अहादीस.

कपीसा, अदपुल मुकरह.

२०१ कपीसा केहते हयं मयं रसलुस्लाह सख्खस्लाहो अलयहे व सख्मके पास हाजिर था. मयने सुना के आप शरमाते थे जे लोग

દુન્યામેં આહલે ખયર હંય વોહ આખેરતમેંલી આહલે ખયર હંય. ઝોર જો  
દુન્યામેં આહલે શર હંય વોહ આખેરતમેંલી આહલે શર હંય.

**હરમલા ધીન અબ્દુલ્લા.**

૨૦૨ હરમલા (અપને ઘરસે) ચલે રસૂલુલાહકે પાસ આઝે ઝોર ધત્ના  
ક્યામ ક્રિયા કે રસૂલુલાહ (સ.) ઉન્કો પેહચાનને લગે જળ્ય રવાનગીકા કરદ હુવા  
અપને દિલમેં ખ્યાલ ક્રિયા કે બ ખુદા મંય રસૂલુલાહ સદઅમકે પાસ ઈસિ  
લિયે આયા હુંકે ઇદમમેં કુછ ઇન્શા હો. પસ મંય રસૂલુલાહ (સ.)કી ખિદમતમેં  
હાજિર હુવા ઝોર સામને ખડે હોકર મંયને અર્જ ક્રિયા યા રસૂલુલાહ (સ.) મુઝે  
કયા હુકમ હય આપને ફરમાયા અય હરમલા નેક કામ કરો ઝોર પુરાઇસે  
પરહેજ કરો. મંય વાપસ કાફિલેમેં ચલા આયા. ફિર રસૂલુલાહ (સ.) કે પાસ આયા  
ઝોર પેહલેકી બ નીસખત કરીખતર ખડા હુવા. અર્જ કયા યા રસૂલ (સ)  
આપ કયા કામ કરનેકા હુકમ દેતે હંય ? ફરમાયા અય હરમલા ભલાઇ કર ઝોર  
પુરાઇસે પરહેજ કર ઝોર તઅમ્મુલ કર કે જો કામ અયસા હો કે ઉસ્કે કરને  
પર તેરે બાઅદમેં કામ જો કુછ કહે વોહ તેરે કાનોંકો ભલા માઅલુમ હો  
ઉસકો દર ઝોર જો કામ અયસા હોકે ઉસપર તેરે પીછે જો કુછ કહા જવે  
વોહ તુઝો પુરા માઅલુમ હો ઉસસે પરહેજ કર પસ જળ્ય મંય વાપસ  
આયા ઝોર સોચા તો ઈન દો કદમોંસે કોઇ ચીજ બાકી નહીં રહી.

**બાજિર અદમુલ મુફરદ.**

૨૦૩ હર ભલાઇ સદકા હય યાઅની જો નેક કામ ક્રિયા જાએ મિસલ  
સદકે કે સવાબ ઉસ્કા હોતા હય.

**અદમુલ મુફરદ.**

૨૦૪ ફરમાયા નખીયે અકરમ સદ્સલાહો અલયહે વ સદ્સમને હર  
મુસલમાંકો સદકા દેના લાજિમ હય. લોગોને કહા અગર ઉસ્કે પાસ કુછ ન હો  
ફરમાયાકે ઉસે લાજિમ હય કે અપને હાથસે કામ કરે ખુદલી નશાય ઉદાએ  
ઝોર સદકા દે. લોગોને કહા અગર ચેહલી ન કર સકે યા ન કરે ફરમાયાકે  
હાજતમંદ મજલૂમકી મદદ કરે લોગોને કહા અગર ચેહલી ન કરે ફરમાયા  
ભલાઇકી તરગીમ દે. ઉન્હોને કહા અગર ચેહલી ન કરે ફરમાયા શરસે બચે  
ચેહલી ઉસ્કે લિયે સદકા હય.

**આયુ જર, અદમુલ મુફરદ.**

૨૦૫ આયુ જર રદિયલાહો અનહોને રસૂલ સદઅમસે પૂછા કે, કોન્સા

अमल सभसे अच्छा हय. इरमाया के खुदा तयालापर धमान लाना और  
 हस्की राइमें जेहाद करना, पूछा कौन्सा गुलाम आजाद करना सभसे  
 बेहतर हय. इरमाया जे कीमतमें ज्यादा हो और मालिकों के नजदीक भाई-  
 भूय तर हो. पूछा अगर भयं येह न कई इरमायाके किसी काम करनेवालेकी  
 मदद कर या खुद अयसा काम कर जिसमें किनिय और लगव न पाया  
 जाये. पूछा अगर भयं येह न कई इरमायाके लोगोंके साथ पढी करनी  
 छोड दे येह वोह सडका हय के तुअको अपनी जगतसे करना चाडिजे.

### अमी सभदुल उजरी, मिशकात

२०६ जे शम्स तुममेंसे कोई पुराछ हये उसे चाडिजे के अपने  
 हाथसे हस्की दुस्ती करे अगर हस्की दुस्तर न हो तो जमानसे, हस्कीभी  
 दुस्तर नहो तो दिलसे और येह जहद तरीन धमान हय.

२०७ किसी ललाछको हकीर पियाल न करो अगरये अपने अपने  
 ललाछसे अप्पंदा पेशानी मिलनाही क्यों न हो.

### पदीक्षा.

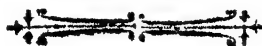
२०८ नबीये अकरम सललल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया के  
 कसम हय उस जतकी उसके हाथमें मेरी जन हय तुमको चाडिजे के नेकीका  
 हुकम करो और पुराछसे मनाअ करो वरन अनकरीय अदलाद तयाला  
 अपने पाससे तुमपर अजग्य नाजिल करेगा फिर तुम हुआ गांगोगे तो  
 वोहभी कुयुल न होगी.

### हुरीर थीन अजदल्लाह मिशकात.

२०९ मयने रसूले अकरम सललल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुना हय  
 के अगर किसी कामका कोछ आदमी गुनाह करे और काम हस्के रोकनेकी  
 दुस्तर रपती हो. अगर न रोके तो उस कामपर हस्के सभअसे अजग्ये  
 धलाही नाजिल होगा पेहले धससे के वोह अरे.

### अयु भूसा अशअरी मिशकात.

२१० कसम हय उस जतकीके उसके हाथमें मोहम्मद (स. अ. व.)की  
 जन हय भाअइको मुनकर याअनी ललाछ व पुराछ दोनों मअलुक हय  
 कियामत के रोज दोनों अडे होंगे. ललाछ आहले अयरको पुशअअरी होगी और  
 उनसे अच्छे अच्छे वाअदे करेगी और पुराछ कहेगी भयं आती हुं भयं  
 आती हुं और अदकिरदार लोग उससे अय न सकेंगे.



## आपुल धन्दाके ई सभीलिल्लाह

२११ ओर अल्लाहकी राहमें भर्ष करे ओर अपने आपको अपने हाथीसे हलाकतमें न डाले ओर ओहसान करे के अल्लाह ओहसान करने वालीसे मोहब्बत रभता हय.

सुरअे अकर इकु २६ आयत २१५.

२१२ अय पयगंबर लोग तुमसे पूछते हंय के वोह जुदाकी राहमें क्या भर्ष करे तो उनसे केह दो जे मालके तुम भर्ष करे अपने मांयाप ओर अकरया ओर यतीमों ओर मिरकीनों ओर मुसाफ़रीके लिये करे ओर जे बलाध तुम करोगे अल्लाह उसके जनता हय.

सुरअे अकर इकु २७ आयत २१६

२१३ अय पयगंबर लोग तुमसे सवाल करते हंय के वोह कतना भर्ष करे उनसे केहदो के जे उभरान्त जुदरीसे नहदहो धसी तराह अल्लाह तआला तुम्हारे लिये आयते पयान करता हय शायद तुम हुन्या ओर आपेरतके मुआमेलतमें सोचो या गार करे.

सुरअे अकर इकु ३६ ओर ३७ आयत २६० ओर २६४

२१४ जे लोग अपने मालोंको अल्लाहकी राहमें भर्ष करते हंय उसके मिसाल उस दानेकीसी हय जिससे सात आली पेदा हो ओर हर पालमें सो दाने हो ओर अल्लाह तआला दायंदःहेता हय उसके लिये याहे ओर अल्लाह कुशाधशवाला ओर जननेवाला हय. जे लोग अपने मालोंको अल्लाहकी राहमें भर्ष करते हंय ओर भर्ष करनेके पाअद न उसके ओहसान जिताते हंय न तकलीफ़ हेते हंय, उनके रअके पास उनके लिये अजर हय न उनको जोद हय ओर न वोह गभगीन होगे. अम्मी यात केहनी ओर दरगुजर करना उस सद्का देनेसे ओहतर हय जिसके पाअद तकलीफ़ ही नवे, ओर जुदाके तआला जेनिवाज ओर मुर्दावार हय अय मोअमिनो अपने सद्कातको ओहसान जताकर ओर तकलीफ़ देकर जयेअ मत करे उस शम्सके मानंद जे अपना माल लोगोंके दिधानेके लिये भर्ष करता हय ओर अल्लाह पर ओर रोजे क्रियामत पर यकीन

नहीं रहता, पस उसकी भिसाल ओक पत्थरकीसी हय जिसपर गुमार आ गया जम जेरकी पारिश दुध तो साइ पत्थर निकल आओ उन्को अपनी कमाधसे कुछ हासिल नहीं होगा ओर अस्लाह काशिरोंकी कोभको विदायत नहीं करता ओर भिसाल जिन लोगोंकी जे भाइज रज्जमे धलाडीके लिये नीयतसे अपने भाकोंको भर्य करते हय अथसे पागके मानद हय जे युद्धं जमीनपर हो ओर उस्पर भूम पारिश हो ओर निहायत दून लावे, अगर जियादा पारिश न हो तो शयनमही पडे, ओर अस्लाह तआला तुम्हारे आअभासको देपता हय. क्या तुमसे कोछ धस्को पसंद करेगा के उस्का भज्जों ओर अंगूरीका पाग हो जिस्में नेहरें नरी हों ओर हर किस्मे मेवे उसमें हों ओर वोह युद्धा हो गया हो ओर धस्की ओलाह पुई साह ओर कमजेर हो पस उस पागपर गर्म लु लगी ओर जलकर रेह गया धस्की तराह अस्लाह तआला अपने आहकामको साइ तुमसे अयान करता हय ताके तुम गोर करे.

सुसलमानो पुदाकी राहमें जिन उमदा उमदा यीज्जेसे भर्य करे जे तुमने तिजरत वगयरा हलाक जरीज्जेसे कमाध हों ओर जे पुदाने तुम्हारे लिये जमीनसे पेदा ही हों ओर नापाक यीज्जेके देनेका जे ना जमज्ज तरीकेपर कमाध हो कसदली न करे के जिन्को अगर वोह तुमको ही जवे सिवाय शर्म हुजुरीके लेनाभी पसंद न करे ओर जनकोके अस्लाह तआला जेनियाज ओर सज्जवारे हम्दे सना हय. शयतान तुमको इक्से हसाता हय ओर जेहयाधपर आगाही करता हय ओर अस्लाह तुम्से भग-दिरत ओर अतरीका वाअदा करता हय ओर अस्लाह गुन्नधशवाला जनने वाला हय, जिस्को आहता हय दानाध अता करता हय ओर जिस्को दानाध अता की जमे उस्को जेहद बलाध अता की गर्भ, धन नसीहतोंसे वोडी मुतनज्जोह होते हय जे आहले अकल हय ओर अस्लाहकी राहमें जे तुमने भर्य कर दिया या भजत मानी जेशक अस्लाह उस्को जनता हय ओर जदिमोंका कोछ भददगार नहीं अगर अलानिया सहका हो तोभी अअथा हय ओर अगर धुपाकर इकीरोंका हो तो वोह तुम्हारे लिये अहोत अअथा हय ओर अथसा देना तुम्हारी पुराधयों याअनी गुनाहुका कइदारा होगा ओर अस्लाह तुम्हारे किरदारसे आगाह हय. अय मोहम्मद उन्का राहेरास्त पर लाना तुम्हारे जिम्मे नहीं हय लेकिन अस्लाह जिस्को आहता हय राहे रास्त पर लाता हय. ओर जे भास बलाधमें भर्य करोगे वोह तुम्हारी

जतके लिये हय और तुम भयर्षि नहीं करते मगर सिर्फ रज्ज्मे छलाडीके लिये और जे कुछ पेरतके तोरपर तुम भयर्षि करोगे उसका पूरा पहला तुम्हो दिया जज्जोगा और तुमपर शुद्धम नहीं किया...जज्जोगा. पेरत उन दूकीरोके लिये हय जे अह्लाहकी राहमे रोकोगे हों के कीसी तरफ सहर नहीं कर सकते, और जहिल उनकी शुद्धारीसे उनके गनी जियाल करता हय, तुम उनके अशरेसे पहचान सकते हो वे गउगडा कर आदमियोसे बाल नहीं करते, जे कुछ बाल तुम भयर्षि करोगे अह्लाह उसको जन्तता हय. जे लोग रात दिन शुद्धया व अलानिया अपने मासोके अह्लाहकी राहमे हते हय उनके देनेका सवाय परवरदिगारके हां भजेगा और उनके क्रियामतमे जोशन होगा न रंज होगा.

सुरजे निसा, इकु ६ आयत १३८-१३९.

२१५ और जे लोग जिमानेके लिये भयर्षि करते हय और अह्लाह पर और रोजे क्रियामत पर धमान नहीं लाते. और शयतान जिस किसीदा यर हो वोह पुरा कार हय. अगर येह लोग अह्लाह पर और रोजे-क्रियामत पर धमान लाते और जे कुछ अह्लाहने उनको दे रफ्फा था उसमेसे राहे शुदामे भयर्षि करते तो उनका क्या जगडता और अह्लाह उनके हालसे वाकिफ हय.

सुरजे मुनाईकुन आयत १०

२१६ और भयर्षि करे उसमेसे जे हमने तुम्हो दिया हय पहले धससेके तुम्हो मौत आ पडोये इस पकत कहे के अय परवरदिगार काश तु मुम्हो और अह रोजकी मोहलत देता के भयर्षि शुभ सदा देता और अच्छे अहोमे हो जन्ता और अह्लाह तज्जाला किसी शम्सको हरगिज मोहलत नहीं देता जय उसकी मौत आ जवे और अह्लाह तुम्हारे आत्म-मात्रसे जयरदार हय.

अह्लाहीस.

अथु दुरयरा अयइल मवाधज.

२१७ परमाया रसूलुह्लाह सख्मने सफी अह्लाहसे करीम हय और जन्तसे करीम हय और आदमियोसे करीम हय मगर दोऊपसे हर हय, और अभील अह्लाहसे हर हय जन्तसे हर हय आदमियोसे हर हय मगर

दोनोंपसे करीब होय, जखिल सभ्नी अक्षाडको जहोत पसंद होय आधि  
अपीवसे.

**अथु हुरयरा अयडल भवाड ४.**

२१८ रसूले अकरम सख्खाडो अलयडे व सख्खने इरमाया अगर भेरे  
पास कोडे :ओडके अरापर नरे आलिस हो तो मय धरमे पुश हुं के  
तीन शयमे अर्थ हो जवे ओर कुच्छनी भेरे पास धरमेसे न रहे सिवाय  
धरके अदाओ देनके लिये रभ लिया जवे.

**अथु हुरयरा अयडल भवाड ७.**

२१९ रसूले अकरम सख्खाडो अलयडे व सख्खने इरमाया के डर  
राज सुखडको हो शरिस्ते नाञ्जल होते हय ओक डेहता हय के या अक्षाड  
सभ्नीके मालका नेअमल पहल अता कर, हुसरा डेहता हय अय अक्षाड  
अपीलका माल तलक कर.

**अथी अभाभा भिशकात.**

२२० रसूलखाड (स.)ने इरमाया के अय धरने आदम अर्थ करना तेरेडी  
लिये नाइअ हय ओर जमाअ करके रभना तेरेडी लिये मुजिर हय मगर  
अ कदरे जुइरत रभनेपर मलामत नहीं की जअगेी ओर पुदा वारते देना  
उससे शुइअ करे अरका नशका तुमपर वाञ्छ हो.

**अथी हुरयरा भिशकात.**

२२१ ओक शम्स नपीये अकरम सदखदखाडो अलयडे वसदखमकी  
भिममतमे हाञ्जर हुवा ओर अर्ज किया भेरे पास ओक दीनार हय रसूल-  
दखाड (स.)ने इरमाया उसे अपनी नवत पर सर्ह करे उसने अर्ज किया भेरे  
पास ओर भी हय इरमाया उसे अपनी ओलाह पर सर्ह करे उसने कडा  
भेरे पास ओर भी हय इरमाया अपनी पीमी पर सर्ह करे उसने अर्ज  
किया ओर भी हय इरमाया के अपने भाडीभोंपर सर्ह करे उसने कडा ओर  
हय इरमाया तु पुद ननता हय.

२२२ इरमाया रसूले अकरम सदखदखाडो अलयडे वसदखने जे शम्स  
अक्षाडकी राडमे कुछ सर्ह करता हय उसके लिये सातसो गिना सवाअ  
लपप्पा नता हय.

जमिंदार, मुसलमान.

२२३ जमिंदारने कहा जोक शम्सने अपने गुलामको अपनी वस्त्रातके आन्ध्र आन्ध्र हो जानेके लिये बिना जप्य धरिजी भय रसले अकरम सक्ष-  
 धाहो अलखडे वसक्षमको हुध आपने उस शम्स ( आन्ध्र कुनंदा ) से  
 दरयाइत किया के तेरे पास धरिजे सिवा और भी कुछ माल हय उसने अर्ज  
 किया के नहीं रसूलुल्लाहने प्रमाया केन शम्स धस गुलामको मुअसे भरीदता  
 हय ? नधम धिने अण्डुल्लाह अद्वीने आहसे। धिरभमे उरको भरीदा और  
 कीमत लाकर पेश की, रसूलुल्लाहने येह कीमत उस मालिक आन्ध्र कुनंदाको  
 अता की और प्रमाया के अपनी जतसे शुश्रूय करे उसी पर सधका करे।  
 अगर उससे जधह हो अपने आहसे अयाल पर अगर आहसे अयाल  
 के भयसे भी जधह हो तो रिस्तेदारों पर और रिस्तेदारोंसेभी जये तो  
 धस तराह इरमाते रहे के अपने सामनेवालों और दाहनेवालों और  
 आये वालोंपर ?

### आप धरिजल आहह.

सुरअे अकर, इकु रई आयात १७७

२२४ नेकी सिर् यही नहीं हय के नमानमे अपना मोह मशरिक और  
 मगरिअकी तरफ कर लिया अइके असली नेकी उरकी हय जे अल्लाह पर  
 और रोजेकियामत पर और इरिस्तों पर और किताबों और पयगंवरों पर  
 धमान लाये और अपना माल अल्लाहकी महज्जतमे रिस्तेदारों  
 और यतीमों और भिस्कीनों और मुसाइरों और सवाल करनेवालों और  
 गुलामोंके आन्ध्र करनेमे दे और नमानको काधम करे और जकात अदा  
 करे और पूरे करनेवाले अपने आहदोंके जप्यके आहह करे और तंग दस्ती

१. धन अहादीससे हुकुकी तरतीज और तकदीमे ताभीर माअक्षम होती  
 हय. निरको खुदा तआला तवदीक दे और वोह कुछ राहो खुदामे देना आहो तो  
 धस तरतीजको पेश नजर रचना आहिअे और नहीह कुआहो जे हकदार  
 हय जे धन तन्दुरस्त हट्टे हट्टे सायेलों पर तरल्लह देनी आहिअे.



ઝોર સખ્તી ઝોર લડાઈમેં સખ કરનેવાલે, યહી લોય હંય જિ-હોંને રાસ્ત બાજી ધખતિયાર કી ઝોર યહી મુતકી યાચની ખુદાસે ડરનેવાલે હંય.

**મુરઝે માચેદા રૂક ૧ આયત ૧**

૨૨૫ અય મુસલમાનો અપને ધકરારોકો પૂરા કરો.

૨૨૬ ઝોર પુરા કરો અલ્લાહકી કસમકો જળ આપસમેં કસમપર મુઆહદા કરો ઝોર જળ મજબૂત કસમ ખા ચુકો ઉસ્કે ખિલાફ ન કરો કે તુમ અલ્લાહકો ઉસપર જામિન કર ચુકે હો.

**મુરઝે બની ઇસ્લાહલ રૂક ૪ આયત ૩૪**

૨૨૭ અપને ધકરારોકો પૂરા કરો ।કયામતમેં આહદસે બાજુપુર્સીકી જલેગી અહાદીસ.

**ઇબને અબ્બાસ અદખુલ મુકરદ.**

૨૨૮ ફરમાયા રસૂલે અકરમ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને અપને મુસલમાન બાઈકી તરફસે શક ન કરો ઝોર ન ઉસ્કા મજક ઉડાઓ ઝોર ઉસસે અયસા વાચદા ન કરો જીસે પૂરા ન કર સકો.

**અબુ હુરયરા મિશકાત.**

૨૨૯ ફરમાયા રસૂલુલ્લાહ સલ્લઅમને અલ્લાહ તઆલા પ્રમાતા હય મંય ક્રિયામતકો તીન આદમીયોંકા મુખાલિફ હુંગા ઓવલ. ઉસ શખ્સકા જે મેરે નામપર મુઆહદા કરકે દગા કરે ઝોર દૂસરે ઉસ શખ્સકા જે આજદ શખ્સકો ફરોખત કરકે ઉસકી કીમતકા રૂપિયા ખાવે સેયુવમ ઉસ શખ્સકા જે મજદુ-રસે પૂરા કામ લે ઝોર ઉસ્કી ઉજરત ન દે.

**અબુહુલ્લા ઇબને ઉમર મિશકાત.**

૨૩૦ રસૂલે અકરમ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા હય કે મજદુરકી ઉજરત ઉસકા પસીના ખુશક હોનેસે પહેલે અદા કરો.

**ઉબાદા ઇબને સામત મિશકાત.**

૨૩૧ નૂખીયે અકરમ સલ્લઅમને ફરમાયા છ કામોંકા તુમ જીમ્મા કરલો તો મંય તુમ્હારે લિયે જન્મતકી જીમ્મેદારી કરતા હું જળ કલામ કરો સચ કહો, જળ વાચદા કરો ઉસ્સે પૂરા કરો, અગર તુમ્હારે પાસ અમાનત રખ-

वाध नञ्जे उरुके अदा करे ओर अपनी शर्मगाहोंकी दिशान्त करे, अपनी नजरोंको नीचा रखे, ओर हाथोंको रोके, या अपनी किसीकी पुराई न पहोयाओ।

### धुपने अण्ण्वास भिश्कात.

२३२ नम किसी काममें धियानतका रिवाज हो जाता है पुढाजे तआला उनके दिलोंमें रोअण्ण ओर जोर पेदा कर देता है, ओर उस काममें जनाकारी ईल जाती है उसमें मोतका आनर गर्म हो जाता है. ओर जिस काममें कम तोलने ओर नापनेका रिवाज हो जाता है उससे रिजक मुनकतेअ हो जाता है ओर जे काम भिलदे हकके हुकम करती है उसमें पुरेण ईल जाती है ओर जे काम आहद करके इरेअ करती है उसपर दुस्मन गालिय हो जाता है. १

### धुपने अण्ण्वास भिश्कात.

२३३ अभीर मुआवियाह ओर शाहाने कुसतनतुन्यामें आहद नामा हो गयाथा भीआदे आहदनामा मुनकण्ण होनेको हुध तो अभीर मुआवियाहने उनके मुहककी तरफ दूय करना शुरू किया ताके जिस वकत आहदनामेकी मुहत पूरी हो जवे इवरन हुम्ला कर दिया जवे के अके शम्स अरपी घोडे या अन्वर पर सवार येह केहता हुवा आया के अदलाहो अकपर अदलाहो अकपर आहदको पूरा करना आहये. यह आहदी न करनी आहिये देया गया तो वोह शम्स उमर गिन अपीसा सहापी थे अभीर मुआवियाहने उनसे पूछतो अयान किया के मंथने सुना है रसले अकरम सदअम इरमातेये जिस शम्सके ओर किसी कामके दरमियान आहदनामा हो न उसमें गइलत करे ओर न तशहद करे नम तक उसकी मुहत पूरी न हो जय या उनके धतीला दे दे, येह सुन्कर अभीर मुआवियाह भजे ईणके वापस अले गजे ओर हुमलेका धरादा मुस्तनी कर दिया.

### अपी राई भिश्कात.

२३४ अण्णु राई केहते हंय के मुकको कुरयेशने जतारे कासिद या सरीरके रसले अकरमकी पिदमतमें रवाना किया था रसूलुद्लाह सदअमको

१. मुसलमानोंको ईस हदीस पर निहायत जोर करना ओर अपने अक्याल ओर हावातसे मुनाजिला करना आहिये.

हेम कर भेरे दिलमें धसलामकी तरफ रगणत पैदा हो गछ भंयने अर्ज किया या रसूलुल्लाह भंय अप्पुदा उनके पास अण कभी न नउंगा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहडे वसल्लमने इरमाया भंय अद आहदी नही करता और कासिदोके नही रोकता:अण तुम फिर नओ अगर तुम्हारे दिलमेंली इन गछ हय ने धस वकत हय तो शिर वापस आ नना अणु राई केहते हंय के भंय गया और फिर रसूलुल्लाहके पास वापस आकर मुसलसान हो गया.

**अथी मूसा अशअरी, पुषारी.**

२३५ रसूलु अकरम सल्लल्लाहो अल्यहडे वसल्लमने इरमाया के इयान नतदार अणनयीली ने अतीमे जातिर अदा करे अरका उरको हुकम दीया नवे सधका देनेवासेमेसे हय.

**अली (२०), कन्जे अन्दास.**

२३६ मुसलमानोके उम्मे वाअदके पूरा करना कर्ज अदा करनेके पारअर हय और मुसलमानका वाअदा अयसा हय नयसा हाथ पकड लेना.

**आअेशा (२०).**

२३७ क्रियामतके दिन अल्लाहके अदामे सअसे गेहतर वाद डिगे ने अतीमे जातिर वाअदके पूरा करे.

**अली (२०).**

२३८ वाअदा करनेवासेका इकरार मिसल कर्जके हय:या उससेली नियादा.

**अण सइयान, भिशकात.**

२३९ इरमाया नथीये अकरमने आगाड होके ने उसपर गुल्म:करे नरके साथ मुआहदा करलिया गया होया उरके हकमेसे कम करे या उसकी ताकतसे नियाद उसपर पारडासे या बिला उरकी रजमंहीके कुछ इससेवेने तो भंय क्रियामतमे उसका मुआलिह हुंगा.



## બાપુલ પુપ્લ.

મુરઝે આલે ઇઆન રૂકુ ૧૮ આયત.

૨૪૦ જિન લોગોંકો અસ્લાહ તઆલાને આપને ફજલો કરમસે મકદુર દેરખા હય ઓર વોહ પુપ્લ કરતે હંય ઉન્કો ચેહ ન સમજના આહિયે કે ચે ઉન્કે હકમેં અઅહા હય બલકે વોહ ઉન્કે હકમેં પુરા હય અનકરીય ક્રિયામતકે દિન જિન ચીજોંકે દેનેમેં પુપ્લ કરતે હંય ઉનકા તોક ઉનકે ગલેમેં ડાલા જલેગા.

મુરઝે મોહમ્મદ રૂકુ ૪ આયત ૩૬-૩૮

૨૪૧ ફુન્યાહી જિંદગી મોહજ ખેલ તમાશા હય અગર તુમ ઇમાન લાઓ ઓર પરહેજગારી ઇખતિયાર કરો તુમ્હેં ઉસ્કા અગર દેગા ઓર તુમસે તુમહારા માલ તલબ નહીં કરેગા અગર ઇસરાસે તલબબી કરે તુમ પુપ્લ કરોગે ઓર ઇસસે તુમહારી અદાવતેં જાહેર હોંગી. અય ગિરોહ આગાહ હોકે તુમ્કો ઇસલિયે પુલાયા જાતા હય કે અસ્લાહકી રાહમેં ખર્ચ કરો બાઅજ તુમમેંસે પુપ્લ કરતે હંય ઓર જે પુપ્લ કરતા હય હકીકતમેં અપની જાતસે પુપ્લ કરતા હય. વરન અસ્લાહ ગની હય ઓર તુમ શકીર હો. અગર તુમ હુકમેં ખુદાસે સરતાબી કરોગે તુમહારી જગાહ દુસરી ગયર કોમ્કો બદલ દેગા કે વોહ તુમ જયસે ન હોંગે.

મુરઝે હદીદ રૂકુ ૪ આયત ૨૨-૨૩.

૨૪૨ અય લોગો જે મુસીબત જમીનમેં નાજિલ હોતી હય ઓર જે ખુદ તુમ પર નાજિલ હોતી હય વોહ પેદા હોનેસે પેહલે ક્રિયાખમેં લિખખી જાતી હય, ઓર ચેહ અસ્લાહ પર આસાન હય તાકે જે ચીજ ગુમ હોજવે ઉસ્કા તુમ્કો રંજ હો ન દિસી ચીજ કે મિલનેસે ખુશી હો ઓર અસ્લાહ તઆલા દિસી ઇતરાનેવાલે ઓર કમ કરનેવાલેકો ખસંદ નહીં કરતા કે જે ખુદબી પુપ્લ કરતે હંય ઓર લોગોંકો પુપ્લકી તરગીબ દેતે હંય જે શખ્સ ઇન નસીહતોસે ર ગરદાની કરે તો અસ્લાહ ખેનિયાજ વ સજવારે હમ્દ હય.

अहादीस.

अधी सधद भिरकात.

२४३ रसूत्रे अकरम सद्वल्लवाडो अल्लयडे वसल्लमने इरमाया के दो आदनें मुसलमानोभे नमाअ नडीं होती युप्ल और यद पुल्की.

अनस भिन भासेक अद'पुल मुइरद.

२४४ रसूत्रे अकरम सद्वम पुदाअे तआलासे पनाड मांगते ये. धन अल्लवाजसे अय अदवाड मंय तुळसे पनाड मांगताडुं सुस्तीसे और पनाड मांगताडुं नामरदीसे और पनाड मांगताडुं युडडापेसे और पनाड मांगताडुं युप्लसे.

अप्यापक सीहीक (२०).

२४५ रसूत्रे अकरम सद्वल्लवाडो अल्लयडे वसल्लमने इरमाया के नन-तमे मकार और अप्याअ और ओडसान जितानेवाला दामिल नहोगा.

अप्यु डुरयरा अयइल भवाअज.

२४६ रसूत्रेअहने इरमाया के धनसानकी अदतरीन सिधातभेसे हंय डिर्सिं जे भेसअरी के साथ हो, और नामरदी जे इसवा करनेवाली हो.

धअने अप्यास भिरकात.

२४७ रसूत्रे अकरम सद्वल्लवाडो अल्लयडे वसल्लमने इरमाया के क्या मंय अयसे शप्सकी तुमको धतलाअ दे हुं जे सअसे अुरा हय. लोगोने कडा भेशक इरमाया के वोह शप्स हय जिअसे पुदाके वास्ते सवाल दिया नवे और वोह कुछ नदे.

आपुल पुगज.

सुरअे भाअेदा इकु १२ आयत २४.

२४८ शयतान यही आहता हय के शराम और इमारप्याणके नरीअेसे तुमभे अदावत पेदा कर दे और तुमको अह्लाहके लुकेसे और नमानसे पाल रपणे तो क्या तुम किससे इक नआगे.

## अहाहीस.

अनस.

२४८ रसूखे अकरम सह्यमने इरमाया के अय जेटा अगर तुमसे मुमकिन होतो अयसा करो के सुण्ड हो जाओ और शाम हो जाओ और तुम्हारे दालमें डीसीडी तरसे डीना नहो शीर इरमाया अय मेरे जेटे येड मेरा तरीका हय जे मेरी सुनत याअनी तरीकेसे महज्जत रफ्फे वोड मुजसे महज्जत रफता हय और जे मुजसे मोहज्जत रफता हय वोड जन्नतमें मेरे साथ होगा.

अणी डुरयरा भिरकात.

२५० तुमसे कोछ शप्स बाछकी तरइ असलेहासे धशाराणी न किया करे क्या माअलुम हय के शयतान तुम्हारे लाथके भिरका दे और तुम आगके गढेमें जा पडो.

अणु डुरयरा भिरकात.

२५१ जे शप्स अपने बाछकी तरइ लोडके आलातसे धशाराणी करता हय श्रीस्ते उसपर लाअनत करते हंय जज्जतक वोड रफ नही देता अगरे जे उरका हकीकी बाछकी ह्यो नहो.

अभाषक (२०), भिरकात.

२५२ जज्ज हो मुसलमान धसतराड भिलते हो के ओक दूसरे अपने बाछ पर हथयार डेहाओ हुवे हो तो वोड दोनों दिनारजे जहन्नम पर हंय जज्ज उनमेंसे ओक दूसरेको कल करता हय तो दोनों दोज्जमें यके जते हंय ओक रीवायतमें हय के जज्ज हो मुसलमान तलवारसे लडे तो हातील और महतूल दोनों दोज्जमें जवेगे, मंयने ( रावीने ) अर्ज किया के कतिल तो हीक हय अगर महतूल कियो दोज्जमें जाता हय आपने इरमाया वोडनी उरके कलका जाहां था.

अणी डुरयरा, भिरकात.

२५३ रसूलुव्हाडने इरमाया के गुमाने जहसे जज्जो गुमान जुटी पात हय और किसीकी अणरे न टोडो और न जसूसी करो और सिर्फ मासकी डीमत अड्डाने के लिये भरीद्वार न जने और आपसमें जुज्ज न रफो.

न दुश्मनी रणो, अय अस्त्राहके अदो भाध भाध हो नञो और ओक  
रीवायतमें हय के ओक दूसरे पर रस्क न करे.

धधने उभर, अयइल भवाधज.

२५४ जे हमपर हथयार उकाओे वोह हममेंसे नहीं हय. और सही  
मुसलमनें और येह नियादा हय के जे हमारे साथ हगा करे वोह हममेंसे  
नहीं हय.

सदमा गिन अको, अयइल भवाधज.

२५५ जे हमपर तलवार भेजे वोह हममेंसे नहीं हय.

अथी डुरयरा.

२५६ जे रातको हमपर तीर अरसाओे वोह हममेंसे नहीं हय.

अनस गिन मालिक, अदधुल मुकरंद.

२५७ आपसमें युज्ज न रणो और न हसद करे और दोस्ती  
व गहधतको कताअ न करे और अय अदगाने पुदा भाध भाध गन नञो  
किसी मुसलमानको हलाल नहीं हय के तीन शयसे नियादा अपने भाध  
मुसलमानसे मिलना गुलना तरक करे.

अतागिन यलहुल लयशी, अदधुल मुकरंद.

२५८ अयु अयुअ अन्सारी सहाथीओे रसुलुद्लाह (स.)ने उस्कोअपर ही  
हय के शरमाया रसुले अकरम सदलद्लाहो अलयहो वसद्लमनें किसी मुसलमानको  
रवा नहीं हय के अपने भाधको तीन शयसे नियादा तर्क करे के नय  
दोनो भिदो वोह उससे मोंह इरले और वोह उससे मोंह इरले उन दोनोमें  
अच्छा वोह हय जे सलामुन अलयककी धणतदा करे.

हाशिम धधने आभिर अन्सारी.

२५९ हाशिम धधने आभिर अन्सारीसे गिन्के आप नगे ओहोदमें  
शहीद हुवेथे रियायत हय के उ-होने रसुले अकरमसे सुना हय के किसी मुस-  
लमानको रवा नहीं हय तीन रोजसे जियादा किसी मुसलमानसे रंज रणो  
या करायत कताअ करे के अयसी हालतमें वोह दोनो हकसे मुनहरिश होगे  
नयतक के अपनी मुदारेकत पर काधम रहें उन दोनोमें जे मुदारेकत तर्क

કરનેમે સખકત કરે વોહી ઉસ્કા ક્ષરારા હય અગર વોહ દોનો ધસી મુકારે-  
કત કી હાલતમે મરેગે ઉન્મેસે કોઇબી જન્નતમે દાખલિ ન હોગા અગર  
એકને સલામુન અલયક કી ઓર દૂસરેને સલામ કુખૂલ કરને ઓર જવાબ  
દેનેસે ધન્કાર ક્રિયા તો ઉસ્કે સલામકા જવાબ ફરિસ્તે દેગે ઓર દૂસરેકા  
શયતાન.

**અબી હરાસ અસ્લમી અદ્યુલ મુફરદ.**

૨૬૦ અબુ હરાસ અસ્લમીને રસુલુલ્લાહ સલ્વમસે સુના હય કે ૧૨-  
માતે થે કે જે અપને બાઈ મુસલમાનસે સાલભરતક મેલ જ્વેલ તર્ક કરે  
વોહ ઉસ્કા ખુન કરતા હય.

**અબી હુરયરા મિસ્કાત.**

૨૬૧ ફિસી શખ્સકો જાઇજ નહીં હય કે અપને બાઈ મુસલમાનસે  
ત્રીન રોજસે જિયાદા મિલના જુલના તર્ક કરે જબ ત્રીન દિન ગુજર જાએ  
ઓર ઉસસે મિલે તો ચાહિયે કે અસ્સલામો અલયક કરે અગર ઉસને  
સલામુન અલયકકા જવાબ દિયા તો દોનોકો અગર મિલેગા ઓર અગર  
ન દિયા તો વોહ અપને હકસે ખરી હો ગયા.

## બાબુલ ખગીએ વલ ઇનાદ.

**મુરએ નાહલ રૂક ૧૩ આયત ૯૦.**

૨૬૨ ખુદાએ તઆલા ઇન્સાફ કરનેકા હુકમ દેતા હય ઓર એહસાન  
કરનેકા ઓર રિસ્તેદારોંકો માલી ઇમ્દાદ દેનેકા ઓર મના કરતા હય જે  
હમાઈ કે કામોસે ઓર ખુરી ખાતોસે ઓર ખગાવતસે તુમ્કો નસીહત કરતા  
હય તાકે તુમ ઇન્કા ખિયાલ રખો.

**મુરએ શુરા રૂક ૫ આયત ૪૦-૪૧-૪૨-૪૩.**

૨૬૩ ઓર જે લોગ અયસે હંય કે જબ ઉનપર જિયાદતી હોતી  
હય તો વોહ ઇન્તેકામ લેતે હંય ઓર ખુરાઇકા ઇવિજ વયસીહી ખુરાઇ  
હય મગર જે મઆફ કરે ઓર ઇસલાહ કરે તો ઉસ્કા સવાબ ખુદાએ



तआलाके निम्मे हय पेशक अस्लाह तआला जल्लिमोंसे उलझत नही रफता जे ज्यादतीके आद धन्तेकाम ले उसपर कोछ धलजम नही. अल-पता धलजम उनपर हय जे आदभियों पर जुल्म करते हय और नाहक जमीनमें प्रसाद करते इ'य. उनके लीये हर्दनाक अगण्य ह'य. लेकिन जे सध करे और दुसरोके कुसर भयाध करे तो पेशक येह पडी हि'मतके काम ह'य.

**सुरअे हुजेरात इक १ आयत.**

२६४ अगर मुसलमानोंके दो गिरोह आपसमें लडे तो उनमें सुल्ह करादो, फिर अगर उनमेंसे ओक दूसरे पर ज्यादती करे तो जे ज्यादती करता हय उससे लडो यहाँ तक के वोह हुकमे जुदाकी तरफ इगु करे और जय इगु करे तो इरीकयनमें पराजरीसे सुल्ह करादो और धन्साइको भेदह नजर रफ्फो, पेशक अस्लाह तआला धन्साइ करने वासोसे भड्ज्यत रफता हय.

**अहादीस.**

**धफने अफ्फास अदफुल मुइरद.**

२६५ अगर पहाडली हकसे तजवुज करे तो रेज रेज कर दिया जवेगा.

**अफदुल्लाह धफने अनस अदफुल मुइरद.**

२६६ नफीअे अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने प्रभाया के जे शफ्स हो लडकियोंका पर्य उनके पालिग होने तक परदास्त करते ह'य और वोह मेरे साथ धसतराह जन्नतमें दाखिल होंगे और शहादत और पीयकी उंगली पडी करके इरभाया धस तराह हो उमूर ह'य। जन्की सज हुन्यामें जल्द ही जअेगी जगावत व कतअ रेहम.

**अफुमकर अदफुल मुइरद.**

२६७ इरभाया रसूले अकरमने के जगावत और कतअ रेहमके अलावा और कोछ गुनाह धस काबिल नही हय के उसके गुनाहगारको सिवाय उस सजके जे आपेरतमें उसके लिये करार ही गछ हो हुन्यामेंली पहात जल्द सज दीजअे.

અખી સઈક કન્જુલ આઅમાલ.

૨૬૮ રોજે કિયામતકો ઉજર કરનેવાલેકી યકદર ઉસકે ઉજરકે એક અલામત રખી જવેગી. ઝોર ખબરદાર હોજાએકે જે અખીરે આમસે યગાવત કરે ઉસસે જિયાદા ઉજર કરનેવાલા કોઈ નહીં

## બાબુત્તોહકે વસ હદાયા.

સુરએ નિસા રૂક ૧૧ આયત ૮૬

૨૬૯ ઝોર જમ તુમકો કિસી તરાહ પર સલામ કિયા જવેતો ઉસસે એહતર સલામ કરો. યા વયસાહી જવાબ દો, અલ્લાહ હર ચીજકા હિસાબ લેનેવાલા હય.

સુરએ રાહમાન.

૨૭૦ બલા એહસાનકે સિવા ઝોર કોઈ બદલા એહસાનકા હો સકતા હય.

અહાદીસ.

૨૭૧ નખીયે અકરમ સલ્અમને ફરમાયા આપસમે' એક દૂસરેકો તોહરા તહાદ્દ દેતે રહો તાકે આપસમે' મહબ્બત પેદા હો.

અહબુલ મુફરદ.

૨૭૨ અનસ રદી. કેહતેથે અય મેરે બેટા આપસમે' તોહરા તહાદ્દ દેતે રહો તાકે તુમહારી આપસમે' મહબ્બત જ્યાદા હો.

ઈબને ઉમર ખયરૂલ મવાઈજ.

૨૭૩ રસૂલે અકરમ સલ્વલ્લાહો અલયહો વ સલ્વમને ફરમાયા કે જે શખ્સ તુમ્હે પનાહ માંગે ઉસકો પનાહ દો ઝોર જે ખુદાકે વાસ્તે સવાલ કરે ઉસકો કુચ્છ દો ઝોર જે તુમકો ખુલાએ તો કુખુલ કરો ઝોર જે તુમહારે સાથ નેકી કરે કિસ્કા બદલા જુર કરો. અગર તુમમે' ઉસકે એવજ

नेकी करनेकी कुरत न हो तो उसके हकमें धस कहर हुआ करो के तुम भुद  
सभजे के पूरा बहला हो गया.

**अनस भिश्कात.**

२७४ अनस २. केहते हंय के रसूलुल्लाह (स. अ. व.) पुराभूदार  
हदयेको वापस नहीं इरमाते थे.

**आबेशा (२) भिश्कात.**

२७५ आपसमें तोहश तडाधर देते रहो के तोहश कीनेको दुर करता हय.

**अपी दुरयरा भिश्कात.**

२७६ आपसमें हदया व तोहश देते रहो के येड दीवोंकी कुरत दूर  
करता हय और कोध पडोसन अपने पडोसनके तोहशेको हकीर न सभजे  
अगरये अकरीका पुरही हो.

---

## आभुतताअजियाह.

---

**अहादीस.**

**अभदुल्लाह धिने भसउद, भिश्कात.**

२७७ रसूले अकरमने इरमाया के जे किसी सहभा रसीदाकी तसल्ली  
करेगा उसकोभी वयसाही अजर दिया जवेगा.

**अपी दुरयरा, भिश्कात.**

२७८ जे उस ओरतकी तसल्ली करे जिरकी ओलाह इत हो गध  
हो भुदाये तआला जन्नतमें उसके जहरी धनायत करेगा.

**अभदुल्लाह धिने जहर, भिश्कात.**

२७९ जय हजरत जहर तैयार ( गिराहर अभ्जेनह हजरत रसू-  
लुल्लाह स. अ. व. ) की शहादतकी अजर आध रसूलुल्लाह (स.) ने इरमाया के  
ओलाहे जहरके लिये आना तैयार करो के उनके पास अयसी अजर आध हय  
जे उनके आनेका सामान करनेसे आज रफ्फेगी.

अण्डुल्लाह धुने भसउद, भिशकात.

२८० रसुले अकरम सखल्लाहो अलयहे वसखमने इरमाया के जे (सोगमे) इपसारेण पर तमाये भारे ओर गीरेपान आक करे ओर नडे-लोकेसे पयान करे वोह डभमेसे नही डय.

धुने उभर, भिशकात.

२८१ रसुले अकरमने उस जनाजे के साथ जनेसे मनाअ इरमाया डय उसके साथ राने ओर यिखानेवाली ओरतें छे।

अण्डुल्लाह धुने भसउद, भिशकात.

२८२ नपीये अकरम सखल्लाहो अलयहे वसखमने पाद शहादत हजरत गहर तैयारके उन्के आहलो अयालको तीन रोजकी मोहलत दी फिर उन्के पास तशरीह लाये ओर इरमाया के भेरे बाध पर आन्के पाद गीया व जरी न करे ओर इरमाया के पीराहरनहोको पुलाओ. हमको पुल-वाया गया. हम उस वक्त अये ये ओर इरमाया के हज्जमके पुलाओ ओर हमारी सपकी धसलाह जनवादी (हुगोया सोग अतम हो गया.)

धुने उभर तिरमील.

२८३ नपीये अकरम सखमने इरमायाके तुम अपने मुहोकी पुमियोका निक करे ओर उन्की पुराधयां करनेसे पाज रहे।



आपुत तइरेकते वनाहे अन्हा.



सुरजे आले धम्रान इकु २ आयत १०३.

२८४ ओर सण मिहकर मज्जूतीसे अल्लाहका जरीया पकडे ओर मुतहररिह नहो अल्लाह तआलाके जे ओहसान तुमपर डंय उन्को पाद करे जणके तुम आपसमे दुश्मन थे पस पुदा तआलाने तुम्हारे दिलोमे उल्लरत पेदा करदी ओर उसके इजलसे तुम बाध बाध जन गये.

सुरअे आले धआन इकु २ आयात १०५.

२८५ ओर उन लोगोंकी भिसव नडो जे सुतइररिठ डोगअे ओर धभतिलाइ करने लगे आअइ धस्के के आधं उनके पास अलाभते ओर उनके लिये अडा अजग्य हय.

सुरअे धन्आम इकु २० आयात १५६.

२८६ अय पयगंअर जिन लोगोंने अपने दीनमें नइरका डाला ओर कछ शिरके अन गअे तुम्को उनके जगोंसे कुछ सरोकार नहीं उनका सुआभला खुदके डवाले हय के वोड उनका डिसाय वे डेगा फिर जे कुछ [ हुन्आमें ] किया करतेथे ( उरका नेके अइ ) उनको अता डेगा.

सुरअे धन्आम इकु ८.

२८७ अय पयगंअर ( उनसे ) कडो के वोडी ( खुदा ) उसपर कइरि हय के तुम्डारे उपर ही ( तरइ ) या तुम्डारे पेरेके तलेसे कोध अजग्य तुम्डारे लिये निकाल अडा करे या तुम्को गिरोड गिरोड करके ( ओक दूसरेसे ) भिडा मारे ओर तुममेंसे आजको आजकी लडाईका भल अभाअे ( अय पयगंअर ) डेयो तो सडी हभ (अपनी) आयातोडि। किस किस तराइ अयान करते हंय ताके येड डोग समजे.

सुरअे ताडा इकु ५ आयात ६६.

२८८ हजरत डारनने कडा के अय मेरी मांके जेठे आधं मेरी दाडी ओर सरके आल न पकडो, मंय धंस आतसे डराके वापस आकर कहीं येड न डेडने लगे के तुमने जनी धस्त्राधलमें कुट डालदी ओर मेरी आतडा पास न किया. १

१. धन आयाते रण्णानी पर उन हलुमांको जडोत गोर करना याडिये जे अइना डभूरमें आपसमें तइरका डालकर मुसलमानोंकी जमाअतको तुकसान पडोअाने ओर तइरका डाल देनेमें काशीरो जलीग इरमाते हंय डालके इस आयातसे साइ लडिर हय के हजरत डारनने गोसाला परस्तीका जे शहेर शिक हय तइरअे कोमीसे जेडवन समजा, पस मुसलमानोंकी अमुभन ओर ओलोभाअे किरामको खुसुसन धसपर जियाहा तवज्जेड ओर गोर करना याडिये ओर ज डंतक मुभकिनहो आडभी तइरका ओर धभतिलाइको शकना याडिये ओर भियाल करना याडिये के मुसलमान इरकोमें असकइर धभतिलाइत हंय वोड उस गोसाला परस्तीसे (अस्के शिक होनेमें क्लाम नही) जडोत कभ हय उनकी वलडसे मुसलमानोंमें तइरका पेदा करना या उरके जडाना या उरमें मदद करना किसी तराइ डीक नहीं ( सुतज्जभ )

सुरमे ३३ ३६ ४ आयत २२-२३.

२८८ अथ मोहम्मद तुम अेक पुढाके हो कर उरके, दीनकी तरफ अपना रूप किये रहे। येह पुढाकी ( अनाध हुध ) सरिशत हय जिसपर पुढाने लोगोके पैदा किया हय, पुढाकी (अनाध हुध) अनावटमें रहे अदल नही हो सकता यही दीनका सीधा रास्ता हय. अगर अकसर लोग नही समजते, ( लोगो ) इसी अेक पुढाकी तरफ इण्डु होकर दीन धरिलाम पर नमे रहे, और इसी अेक पुढाका डर माने। और नमान पडते रहे। और शिक करने वालोमेंसे न हो जना जिन्होंने अपने [असली] दीनमें तदरका डाला और शिके शिके हो गये जे दीन जिस शिके के पास हय सय उसमें भगन हय.

सुरमे शुरा ३६ २ आयत १०

२९० और जिन चीजोमें तुम लोग आपसमें छप्तेलाइ रहते हो उनका इसला पुढाके तआलाके हवाये हय (लोगो) यही अदलाहतो मेरा पुढा हय इसी पर भंय भरोसा रहता हुं और (हर आतमें) इसीकी तरफ इण्डुअ करता हुं.

सुरमे शुरा ३६ २ आयत १०

२९१ लोगो, पुढाके तआलाने तुम्हारे लिये दीनका वोही रस्ता मुकरर किया हय जिसपर चलनेका उसने हजरत तुहको हुकम दीयाथा. और अथ मोहम्मद जे वही हमने तुम्हारे पास लेल और जे हमने छिआहीम और मुसा और इसा अलय हीसरसलामको हुकम दियाथा येह हय के तुम (हसी) दीनके काधम रहना और उरमें तदरका न डालना ( अथ पयगम्बर ) जिस दीनकी तरफ तुम मुशरिकोके पुलाते हो वोह उनपर अहोतही शाक गुजरता हय अदलाह जिसके आहता हय छन्तेआय करके अपनी तरफ भंय पुलाता हय और जे उससे इण्डुअ करते हंय उनको अपने तक पहोचनेका सीधा रस्ता अता देता हय. और आहले किताय समजनेके आअद अपनी आहमी निहसे गुदा गुदा हो गये हंय और अथ मोहम्मद अगर तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे अेक वकते मुअयअनका वाअद पैहले नहो युका होता (के लोगोके कियामत तककी मोहलत हय) तो (उके छप्तेलाइतका) इसला कबीका कर दिया गया होता, और जे लोग अगलोके आअद किताये छलाहीके वारस हुवे वोह अेशक उस दीन (असली) की तरफसे निहायत शक

रभते ह'य तो अय पयगम्बर तुम तो उन लोगोको धंसी अस्ली दीनकी तरफ  
 खुलवते रहे और खुदभी न्यसा के तुम्हो हुकम दिया गया हय उसपर काधम  
 रहे और धन ( यहूदो नसारा ) की आडेशातकी पयरवी न करे और उन्से  
 साए कहेदो के किताबकी किस्म मेसे जे कुछ खुदाने नाजिल किया हय म'य  
 उसपर धमान लाया हुं और मुअको खुदके हासे हुकम दिया गया हय के  
 तुम्हारे दरमियानमे तुम्हारे धप्तेवाइतका इयसला धन्साइसे करे, अस्लाह  
 हमाराबी रय हय और तुम्हाराबी हमारे लिये हमारे आअमाल ह'य  
 और तुम्हारे लिये तुम्हारे आअमाल अस्लाही ( कित्तामते दिन ) हमको  
 और तुम्हो अेक जगाह जमाअ करेगा और उसीकी तरफ सयको बोए कर  
 जना हय.

### अहादीस.

**अधु हुरयरा अहधुल मुइरद.**

२८२ रसूले अकरम सस्लव्लाहो अलयहे वसस्लमने इरमाया के पीर  
 और जुमेअरातको जमतके दरवाजे जोल दिअे जते हय और ह'र  
 उस शपसके गुनाह मआइ किये जते ह'य जिसने शिक' न  
 किया हो सिवाय उस शपसके जिसकी उसके ( किसी मुसलमान )  
 बाधसे अदावत हो कहा जअेगा के धन दोनोको इरेहनेदो जमतक के वोह  
 आपसमे सुहद न करे. १

**अहधुल मुइरद.**

२८३ नबीये अकरम सस्लव्लाहो अलयहे वसस्लमने इरमाया के तीन  
 आते ह'य जिनमे वोह नहो अस्लाह तआला अगर याहे उन्के गुनाह  
 मआइ करेगा जे मेतके वकत मुशरिक नहो, और जहगर नहो, और  
 अपने बाधसे दिलमे कीना न रपता हो.

**सालम थीन अयहदुहला अहधुल मुइरद.**

२८४ उमर अपने जेरासे इरमाया करते थे के सुधुह होतेही तुम  
 अलग अलग हो जया करो, अेक घरमे जमअ न हो, मुअको पोइ हय  
 के तुम कत्ये करावत न करने लगे या तुम्हारे दरमियान इसाह नहो जअे-

१ यानी जमतक वोह दोनो आपसमे सुहद न करे किसीके गुनाह मआइ  
 न होजे ( सुतरजम )

**अरक्षण भिक्षात.**

२८५ अरक्षण केहते हंय के भंयने रसलुल्लाह सल्यमके इरमाते-हुवे सुना के न्य तुम किसी शप्सपर छतेशक करवो और कोछ शप्स तुममें नाछतोक्षकी पेदा करना याहे या तुम्हारी नमायतके सुतरररिह करना याहे तो उरके कल कर दो.

**अरक्षण भिक्षात.**

२८६ अरक्षण केहते हंय के भंयने रसलुल्लाह सल्यमसे सुना ह्य के अनकगीम शरो शसादात डोंगे पस न्ने शप्स के छस उम्मतमें तहरका पेदा करना याहे उस वक्त न्यके तमाम काम सुतधिक हो चुकी हो, उरही तल-वारसे भयर दो याह वोह कोछ हो.

**अथु अैयुष तिरमिथ.**

२८७ भंयने सुना ह्य के रसलुल्लाह सल्यम इरमाते ये के न्ने शप्स भांमें और उरकी ओलाहमें तहरका डालेगा भुदाये तआला कियामतके दीन उरमें और उरके आहयायमें गुदाछ डालेगा.

**अथहुल्लाह छुपारी.**

२८८ अथहुल्लाहसे भरवी ह्य के भंयने अेक शप्सके अेक आयत पडते हुवे सुना के भंयने रसलुल्लाह सल्यमसे दूसरी तराह सुना था, भंय उरका हाथ पकड कर रसलुल्लाह सल्यमके पास ले गया (और हाल अर्न् किया) आपने इरमाया तुम दोनों हीक केहते हो शाय्या केहते हंय मेरा गुमान ह्य के वोह अल्लान येह ये के तुम आपसमें छपतेलाइ न करो तुमसे पेहले लोगोंने छपतेलाइ किया था वोह हलाक हो गये. १



## प्राप्युत्तकवा.

सुरमे हुजोरत ३३ २ आयात १३

२८८ अथ लोगो हमने तुम सभको एक मर्द ( आदम ) और एक औरत ( उष्या ) से पैदा किया और फिर तुम्हारे गिरोह और कुम्भे पैदा किये ताकि तुम एक दूसरेको शनाप्त कर सको, वरन अस्लाहके नजदीक तुममें अडा शरीफ़ वोडी हय जे तुममें सभसे ज्यादा परहेजगार हो, अेशक अस्लाह तआला पुन आगाह और अजरदार हय.

अथी हुंरयरा भिरकात

३०० रसूलुस्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो वसल्लमसे सवाल किया गया के केन शम्स सभ आदभियोंसे ज्यादा मुअज्जज हय आपने शरमाया के अस्लाहके नजदीक सभमें मुअज्जज व पुगुर्ग वोह हय जे सभसे ज्यादा परहेजगार हो, लोगोंने कहा हम येह दरयाएत नहीं करते थे, आपने शरमाया के सभ लोगोंने मुअज्जज युसुफ़ (अ.) ह'य. जे पुह नथी ह'य और नथीयुस्लाहके इरज'ह धप्ने नथीयुस्लाह धप्ने अलीलुस्लाहके ह'य, लोगोंने अर्ज कियाके हमारा सवाल येह नहीं था आपने शरमाया के क्या क्याधले अरपसे पूछते हो? उन्होंने कहा हां, आपने शरमाया के जे लोग जहिलीअत के नमानेमें अचछे थे, वोडी धसलाममेंली अचछे ह'य अगर वोह सभअदार हों.

## प्राप्युत्तक ईरिल मुसलिम'

सुरमे निसा, ३३ १२ आयात ८४.

३०१ अथ मुसलमानो जप्य तुम पुदाडी राहमें लउनेके लिये कही

१ तमाम मुसलमानोंको उमुन और आलमाये किरामको पुससन धस पाप पर निहायत गार करना चाहिये के धससे किसी मुसलमानको कफिर केहेनेडी किस कहर मुमानेअत निकलती हय जे लोग नरा नरासे धप्नेसादी मसाधल पर इन

जन्मो तो जिन लोगों पर यह कर जन्मो उनका डाल भूषण ताड़कीक कर लिया करो और जो शम्भु धन्धारे धसलामके लिये तुम्हें सलामुन अलखक करे उससे यह न कहे। के तु मुसलमान नहीं हय, और धस केहनेसे तुम्हारा भक्तद हो। अंदगी ये हुन्याहा साले सामान ( ताके उरको हुशमन डेरा कर लूट ले। ) तो अयसी लूट पर क्या गिरते हो, अल्लाहके पास तुम्हारे लिये पढोत गनीमतो हंय ( तैयार भवणुह ) पढेले तुमभी अयसे खुलकर धन्धारे धसलाम करते हुवे डरते थे फिर अल्लाह तआलाने तुमपर अपना इन्जल किया के ( खुल्लम खुल्ला धन्धारे धसलाम करने लगे। ) तो ( हुसरै नव मुसलामेकी कम्मलेरी पर नजर डरके लडनेसे पढेले ताड़कीक कर लिया करो ) जो कुछली तुम कर रहे हो अल्लाह तआला उससे पापपर हय.

लोगोंकी तकदीर करते हंय जो भुहाको वाडहू लाशरीक और डनरत मोहम्मदुर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे वसल्लमको नणीये अरहक और कुरआने शरीफको कलामे धिवाही समजते हंय उनको धस परली गार करना नुवर हय के रसूले अकरम सल्लल्लाहो अल्लयहे वसल्लमकी हयाते पाकमे पढोत लोग अयसे थे जो हिलमे कुदरेके जियालात रभतेथे और लडिरमे भाड जोडकी वनहसे या गनीमतकी तमाअसे या पाअल धसतेलडकी राडसे अपनेका मुसलमान लडिर करतेथे जिनको कलामे धिवाहीमे मुनाफेकीनसे ताअलीर किया गया हय या नुल्लुह धरके के आयत शरेह उनके हकमे धिशांरा करती हयऔर वही व धल्लामो करके और इरासते तपध वगयरासे ननाप रिसालत मआअको नील सादिक मुसलमानोंको उनकेकाफिर और मुनाफिक होनेमे किसी किरमका शुभाड नहीं था मगर ननाप रिसालत मआअ व सहाअमे किरामने धली उन लोगोंमेसे किसीको साइ तोर पर नाम लेकर यह नहीं इरमाया के तु काफिर हय पस अयसी डालतमे हमारे मुकदसेो मुल्लुग आलमको नप वाड किसी मुसलमानके लिये कुदरेका इतवा लिपा करे धस आयते पाक और धन अल्लाहीसे रसूल पर अक नजर डालना आडिये और येडली महेनजर रपना आडिये के उनको यह हक किस तराह डालिल हुवा हय के पिवाडे आडकामे रप्यानी वपिलाई मन्शाअे महमुअे सुपुहानी किसी शम्भुको उरके आडली अथाव, अथरो अकारिअ, और कामो गिराहरीसे आरिअ करसके और नील यह अन्नली येरो नजर रपना आडिये के अक पुरजे कागज पर किसीको काफिर लिप देनेसे उस शम्भुको जिसके हकमे वाड इतवअे कुदरे लिपते हय क्या मजरत पढोअ सकती हय अलपता धस किरमके इतवसे गयर अकवामकी नजरमे धसलाम और आडले धसलामकी जेतवकीरी जियाहा डोती हय और हंसनेका मोका मिलता हय पसके धस मुआमलेको सिर्फ भुहा पर छोड देना जियाहा पढनर हय. (मुतरजम)

**अपीनर भिरकात.**

३०२ अपीनर (२०) केडते हंय के भंयने रसले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे, वसल्लमके इरमाते हुवे सुना के जे शप्स किसी दूसरे आदमीके हासिक या हाजिर होनेकी या काशिर होनेकी तोहमत लगाओ अगर वोह शप्स अयसा नही तो वोह कलेमात केडने वाले पर बोट जते हय यानी वोह काशिर या हासिक हाजिरका भिरदाक हो जता हय.

**अपीनर अदथुल मुइरद.**

३०३ अपीनर (२०) केडते हंय के भंयने नपीये अकरम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुनाहय के आप इरमाते थे के जे शप्स दानिस्ता अपने आपके सिवा दूसरेका ओटा होनेका दाअवा करे वोह काशिर हय, ओर जे उस काममे होनेका दाअवा करे असमे वोह नही हय तो उसको अपना हीकाना दोज्जामे तलाश करना चाहिये ओर जे किसी शप्सको काशिर या अदलाहका दुस्मन केडकर थुलाता हय ओर वोह अयसा नही हय तो येह केडना उसीपर बोट जता हय. याअनी केडनेवाला दुस्मने धलाही या काशिर ठेर जता हय.

**अपहुदलाह अदथुल मुइरद.**

३०४ हरदो मुसलमानके दरमियान अल्लाहकी तरफसे ओक डिज्जय हय जय ओक मुसलमान दूसरेको कोध शोहश या थुरी यात केडता हय गोया वोह डिज्जये धलाहीको याक करता हय ओर जय ओक मुसलमान दूसरे मुसलमानको काशिर कहेतो उन दोनोंमेसे ओक गुइर काशिर हो जता हय याअनी अगर वोह शप्स काशिर नडि हय तो केडने वाला काशिर हो जता हय.

**अपहुदलाह धुपने उमर (२०) भिरकात.**

३०५ रसले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने इरमायाके जे शप्स अपने बाध मुसलमानको काशिर कहे उनमेसे ओक गुइर काशिर हो जता हय.

**अपहुदलाह अदथुल मुइरद.**

३०६ रसले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने इरमाया के जय कोध शप्स दूसरेको काशिर केडता हय तो उनमेसे ओक गुइर काशिर कहे

गया हय अगर वोह हकीकतमेंली अयसाही हय तो उसने सय क्हा और अगर अयसा नही हय तो येह कुइर जेशक केहने वाले पर आघट होगा.

### आपीजर (२०) भिश्कत.

३०७ रसूले अकरम सद्वल्लाहो अलयहो वसवलमने इरमाया के जे शप्स किसीको काहिर या अहु अस्लाह केह कर खुलाये और वोह अयसा नही हय तो येह कुइर केहने वालेपर इन्जुअ करेगा.

### साभित धुपने जुडाक (२०) खुपारी.

३०८ रसूले अकरम सद्वल्लाहो अलयहो व सद्वलमने इरमायाके जे शप्स मजहमे घरलामके सिवा और दूसरे मजहबकी कसम खाता हय तो वोह वयसाही हो जाता हय और ध-सानपर अयसी नजरका पूरा करना लाज्म नही हय जे उसके भिल्क और कुइरतसे पाहर हो, जे शप्स किसी चीजसे खुदकुशी करता हय क्रियामवको इसी चीजसे उसके अज्जय दिया जायेगा और जे किसी मुसलमानपर लाज्मत करता हय तो वोह उसके कलके परापर हय और जे किसी मुसलमानकी तक्षीर करे तो वोहभी उसके कलके मसापी हय.

### अपहुदुस्लाह धुपने उमर (२०) खुपारी.

३०९ रसूलुल्लाह सद्वमने इरमाया के जे शप्स अपने भाध मुसलमानको काहिर कहे तो उन दोनोमेंसे अक जुइर काहिर हो जाता हय.

---

## आयुत तकलीफ़ माला यताक.

---

भुरअे अकर इकु ४० आयत २८६.

३१० युफ़ा तआला किसी शप्सपर जेअ नही डालता मगर इसी कदर उसके उठानेकी उसके ताकत हो. उसने अरुअे काम किये तो उनका नधा-अनी किसीके लिये हय, उसने युरे काम किये (किन्हा वयालबी) इसीपर. अय हमारे परवरदिगार अगर हम लूल जअे या युक जअे तो हमको (उरुके वयालमे)

न पकड़, और अथ हमारे परवरद्विगार जे लोग हमसे पहिले हो गुजर हंय  
 उस तराह उनपर तुने (उन्के गुनाहोंकी पादाशमें आहकामे सप्तका) पार  
 डाला था वयसा पार हमपर न डाल, और अथ हमारे परवरद्विगार धतना  
 भोज उसके (डिकानेकी) हममें ताकत नहीं हमसे न उठवा, और हमारे  
 कुसुरोंसे हर गुजर कर, और हमारे गुनाहोंकी भयाए कर, और हमपर  
 रहम प्रमा, तुही हमारा हाभीयो महदगार हय, तु उन लोगोंके मुकाबलमें  
 जे काशिर हंय हमारी महद कर.

सुरअे आअराइ इकु ५ आयात ४२.

३११ और जे लोग धमान लाअे और उन्होंने अअे कामबी किये  
 और हम तो किसीपर उरकी ताकतसे अथाध भोज डालानी नहीं करते  
 यही लोग जन्ती होंगे के उरमें हमेशा हमेशा रहेंगे.

सुरअे भाअमेतुन इकु १४ आयात ६१.

३१२ और हम किसी शप्सकी ताकतसे अडकर उसपर भोज नहीं डालते  
 और हमारे पास [ लोगोंके आअमालका ] रअरटर हय जे हरअेकका [ डाल ]  
 हीक अताता हय और लोग उससे धतमिनान रअे के किसी तराह उन्की  
 हकतक्षी न होगी.



## आपुतमा होड.

अहादीस.

उमर भिश्कात.

३१३ नपीये अकरम सख्यमने प्रमायाके हदसे [अथाध मेरी ताअ-  
 रीइ न करे] नयसे धसाधेयोंने धअे भरयमकी ताअरीइमें मुआलगा किया  
 हय भंय सिइ अहलाहका अंदा और रसलहुं.

अअदुर रहैमान जिन अअुणक अदणुल सुइरद.

३१४ रसलुल्लाह सख्यमके सामने अेक शप्सका निक हुया दूसरेने  
 उरकी पूअ ताअरीइ की आपने इरमाया के अइसोस तुने अपने पारकी

गरदन काटदी और बार बार उसको दरमातेये के अगर तुममेंसे काछ किसीकी ताअरीफ़ही करे तो येह कहे मंय अयसा भियाल करताहुं अगर वोह उसके अयसाही समजता हय और अस्लाह उसके पूय समजता हय और पुदासे नियादा किसीकी ताअरीफ़ न करे.

**अथी मुसा अहम्युल मुदरद.**

३१५ रसूले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने अेक शअ्सको मुआलगेसे हसरैकी ताअरीफ़ करते हुवे सुना तो शरमायाके तुमने उसको हलाकतमें डालदिया या उसकी कभर तोडदी.

**असवद भिन शरीअ अहम्युल मुदरद.**

३१६ असवद धणने शरीअ केहते हंय के मंय रसूलुल्लाहकी प्दिमतमें हानिर हुवा और अर्न किया के मंयने अस्लाह तआलाकी हम्द सिपही और आं ननायकी नाअतनी. आपने दरमाया के तेरा रय ताअरीफ़को पसंद करता हय और मंयने अशआर पडने शुअय किये के अेक शअ्स दराज कामतने निस्की पेशानीके जाल हडे हुवेये आनेकी धननत तलयकी, नपीये अकरम (स.)ने मुअसे दरमाया आभेश हो नआ, वोह शअ्स थोडी देर जाते करके यला गया मंयने फिर पडना शुअ किया वोही फिर आया और रसूलुल्लाह (स.)ने मुअको आभेश करदिया, दो तीन भरतया अयसाही हुवा मंयने अर्न किया या रसूलुल्लाह (स.) येह कोन शअ्स हय उसके लिये आपने मुअे सुप कर दियाथा आपने दरमाया के येह शअ्स जुटको पसंद नहीं करता.

**अथी मुअभर, अहम्युल मुदरद.**

३१७ अथी मुअभर (२०) केहते हंय के अेक शअ्स उमरामेसे किसीकी ताअरीफ़ करता था के भिकदाहने उसके मोंह पर आक ईकनी शुअयकी और कडा के रसूलुल्लाहने हम्को हुकम दिया हय के ताअरीफ़ करनेवाकोके मोंह पर आक डाला करै.

**अता धणने रियाह.**

३१८ अेक शअ्स धणने उमरके सामने किसीकी ताअरीफ़ करने लगा उन्होंने उसके मोंहकी तरफ़ आक ईकनी शुअयकी और कडा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने शरमाया के नय तुम भदह करनेवाकोको हेयो तो उनके मोंह पर आक डालो.

## आपुत्तमुण्डले.

सुरभ्ये नाडल, ३६ १०

३१८ और पुदाहीने तुमभेसे आअनको आअन पर रेश्मेमें अरतरी ( याअनी जियादा रेश् ) ही हय तो जिनको जियादा रेश् ही गछ हय ( वोह ) अपनी रेश् लुटाकर अपने जेर हस्तां ( याअनी नोकरों गुला-भोंको ) नहीं दे दिया करते के रेश्मेमें धन ( सयका ) हिस्सा अराअर हो तो किया येह लोग पुदाही नेअमतोंके मुन्कर हंय. और तुमहीमेंसे पुदाने तुम्हारे लिये ( तुम्हारी ) भीषियोंको पेदा किया और धिसी तराह तुम्हारी भीषियोंसे तुम्हारे लिये भेटां और पोतांको पेदा किया और तुम्हो अअछी ( अअछी ) चीजे आनेको ही तो क्या [ येह लोग जिलकुल ] जूटे [ भाअणू-दोंके मुन्धम होनेका ] यकीन करते हंय और अह्लाहकी नेअमतोंकी नाशुकरी करते हंय [ ढालांके वाकेअभे मुन्धम वोही हय ] और पुदाके सिवा उन ( भाअणूदों ) की परसतिश करते हंय जे आस्मानो जमीनसे उनका रीऊक देनेका कुछभी छपतियार नहीं रभते, और न [ अअसे छपतियार पर ] हस्तरस पा सकते हय, तो हुन्या के आदशाहोंके क्रियास पर पुदा के लिये भिसाले तसनीए न करे [ हीक भिसालका देना ] अह्लाहको भाअलूम हय और तुम्हो भाअलूम नहीं, अेक भिसाल पुदाअे तआला अयान करमाता हय के अेक गुलाम हय दूसरेकी भिल्क जे किसी आतका छपतियार नहीं रभता, और अेक [ दूसरा ] शपस हय [ पुद सुपतार ] जिस्को हभने अपने पाससे अअछी [ भाअलूम ] रेश् दे रभी हय उस्में युप युपाते औरे पुदे [ अजने जिसतराह आहता हय ] अर्थ करता हय, तो किया [ अयसे दो शपस ] अराअर हो सकते हंय [ येह भिसाल मुन्कर सुशरेकीन गुजर जाल उठेगे के नहीं अराअर हो सकते तो अय पगअर तुम उन्से कहे ] अल हम्दे लिह्लाह, मगर उन लोगोंका ढाल येह हय के उन्में जोहतेरे नहीं समअते, और पुदा ( अेक दूसरीका ) भिसाल देता हय के दो आदमी [ हंय ] अेक गूंगा [ और गूंगा होनेके अलावा पराया गुलाम के पुद ] कुछ नहीं कर सकता और [ गूगे होनेकी वजहसे ] वोह अपने आकाश आरे आतिरभी हय के जहां कहीं उस्को भेजे उससे कुछभी हीक नहीं अनआता, क्या अयसा गुलाम और वोह शपस [ दोनों ] अराअर

हो सकते हय जे [ बेगोंको ] हई अचतेवाल पर काष्ठम रेहनेका केहता हय और पुढबी [अचतेवाल याअनी छन्साइके] सीधे रस्ते पर काष्ठम हय. अथी डुरयरा भिश्कात.

उ२० रसूले अकरम सखल्लाहो अलयहो वसखलमने इरमाया के गिना याअनी तमवुल कसरते मालसे नहीं अहके गिना दिलाके गनी होनेसे हय. सअद भिश्कात.

उ२१ रसूले अकरम सखल्लाहो अलयहो वसखलमने इरमाया के अदलाह तआला अपने मालदार मुत्तकी, मेहरगानी करनेवाले अहसे महज्जत रपता हय.

नाई गिन अण्डल हारिस, अदवुल मुइरद.

उ२२ रसूले अकरम सखल्लाहो अलयहो वसखलमने इरमाया के येह आ-दमीकी पुश नसीणी हय के उसके पास भकान वसीअ हो और पडोसी नेक अणतहो, और सवारी उम्दा हो.

अनस कुण्डुल आअमाल.

उ२३ तुममें अहतरे वोह हय जे हुन्याकी वणहसे अपने दीनको न छोडे और न हुन्याको आपेरतकी वणहसे और बेगों के निम्मे पार नहो. याअनी अपने धिपिरानतका पार बेगों पर न डाले.

धमने मसउद कुण्डुल आअमाल.

उ२४ शका मेरे अरुडाअके लिये पाछसे पुश नशीणी हय और आ-यंदा जमानेमें मालदारी मोअमिन के लिये पुश नसीणी हय.

जधिर कुण्डुल आअमाल.

उ२५ माल सअसे नियादा परडेजगारीका महदगार हय.

अनस कुण्डुल आअमाल.

उ२६ उस्में कुछ भूणी नहीं हय जे मालसे महज्जत नहीं रपता ताके सिन्नये रहेम अज लाअे, और आमानत अदा करे, और मालके सअय मणलूकका हाजतमंद न रहे.





## प्राप्यतृत्वान्नेय.

सुर्ये लुङ् ३३ २ आयात २३.

उ२७ ने लोग धिमान लाये और [धिमानके अलावा इन्होंने] अच्छे कामकी किये और अपने परवरदिगारके सामने आनेके करते रहे यही लोग नजती हंय के येह नजतमें हमेशा रहेगे.

सुर्ये लुङ् ३३ ३ आयात ८८.

उ२८ और मुसलमानोंसे [गो क्यसेही गरीब हों हमेशा] जुककर मिलना.

सुर्ये अनी धसाधल ३३ ४ आयात ४७.

उ२९ और नमीनमें अकड कर न यला कर क्येके (धस धमाके साथ यलनेसे) तु नमीनको तो नहीं शड सकेगा और न [तनकर यलनेसे पहाडोंकी लंयाधके पहोंय सकेगा.

सुर्ये कुरकान ३३ ६ आयात ६३-६४.

उ३० और पुहाये राडमानके [भास] गंहे तो वोह हंय ने नमीन पर श्रेशतनीके साथ यदे और नय नहैल इन्से (जुहावतकी) प्यते करने लगे तो (इन्को) सलाम करे [और अलग हो नये] और ने रातोको अपने परवरदिगारके आगे सिन्हे करे और [हस्त अस्ता] भडे रहे याअनी नमाज पडे.

सुर्ये कसस ३३ ८ आयात ८४.

उ३१ (हुन्याकी नेअमते तो हर कसे नाकसके मील नती हंय मगर) येह आपेरतका धर हय लसकी (नेअगतो) के हमने उन लोगोके लिये (भास) कर रफ्पा हय ने हुन्यामें किसी तराहकी शेषी नही आहते और न इसाहके [आहां हंय] और अंजम (य अयरतो) परहेजगारोंहीका हय.

अहादीस.

उमर भिश्कात.

उ३२ हउरत उमरः(२०)ने नयके वो भिअरपर ये श्रमाया के अय लोगो तवान्नेय धिपतिवार करो के मंयने रसूत्रे अकरम सल्लाहो अलयडे व

सख्यमसे सुना ह्य के इरमाते थे जे शम्भु भावेसन लिख्वाह तवान्ने, धपतियार करता ह्य पुदाये तआला इस्का इरन्ज्ज पल'द करता ह्य वोह अपने भियालमे' छोटा होता ह्य और लोगोंकी नजरोंमे' पडा, और जे तकप्पुय करता ह्य लोगोंकी आभोमे' हकीर होता ह्य और अपने आपको पडा समजता ह्य यहांतक के वोह लोगोंकी नजरोंमे' क्ख्यो भिन्जरसेली जियादा जलील हो जाता ह्य.

### अथाज भिशकात.

३३३ रसखे अकरम सख्यख्वाहो. अलयहे वसख्यमने इरमाया के अक्खाल तआलाने मुऊको वही लेख ह्य के तुम तवान्ने याअनी इरोतनी धपतियार करो के कोछ अेक हूसरे पर इअ न करे और कोछ किसी पर जियादती न करे.

### हसन, भिशकात.

३३४ रसखे अकरम सख्यख्वाहो. अलयहे वसख्यमने इरमाया के हसण भावसे ह्य और पुणुगो' परहेजगारीसे.

### धुपने आण्णमास, भिशकात.

रसखे अकरम सख्यख्वाहो. अलयहे वसख्यमने इरमाया के दो आणे' अयसी हंय जिन्को नारे जहन्नम न छुयेगी अेक वोह आण ह्य जे अख्वाहके जोइसे आंसु पहाये हूसरी वोह ह्य जे पुदाकी राहमे' निगेहयानी करे.

### आहयाडिल उलूम.

३३६ रसखे अकरम सख्यमसे रिवायत ह्य के भावेसतीन लिख्वाह तवान्ने, धपतियार करनेमे' येहली दापिल ह्य के मजलिसमे' सगसे हकीर जगा पयकने पर रज्जम'द हो.

३३७ रसखे अकरम सख्यमने इरमाया के भाव सहका देनेसे कम नहीं होता और मआर करनेसे' आदमीकी धज्जतही जियादाह होती ह्य और जे अख्वाहके वास्ते तवान्ने धपतियार करता ह्य अख्वाह तआला इस्का भरतया पडाहाता ह्य.

### आअेशा, कुणुल आअभास.

३३८ अय आअेशा (२०) तवान्नेअ धपतियार कर धसिलिये के अख्वाह

तथांला तवाञ्जेअ करने वाक्षेसे उद्धत रभता ह्य और तङ्कण्पुर करने वाक्षेसे अदावत रभता ह्य.

अणु डुरयरा कुण्डुल आअभाल.

३३८ जे भाक्षेसननुलिह्लाह तवाञ्जेअ धभतियार करे अह्लाह तयाला उस्का दरण षडहा देता ह्य, और जे भीयाना हरनी धभतीयार करे उसे गनी कर देता ह्य. और जे अह्लाहका निके करता ह्य अह्लाह तयाला उससे उद्धत रभता ह्य. १

धभने अभास कुण्डुल आअभाल.

३४० अपने भाध मुसलमानका जुटा पीना तवाञ्जेअमे दाभिल ह्य, जे अपने भाधका जुटा पीता ह्य सित्तर दरण परतरी उस्को दीजती ह्य और सित्तर पताअे उस्की मयाश की जती ह्य और सित्तर भलाधयां उस्के विये लिभ दी जती ह्य.

### आणुततवकुल.

सुरअे आले धअान इकु १७ आयत १२२.

३४१ येह उसी पकतका वाक्षेआ ह्य के तुममेसे दो गिरोहोने हिम्भन डार देनी याही, मगर ( संभल गअे अयेके ) अह्लाह उन्की मद्द पर था, और मुसलमानोको याहिअे के अह्लाही पर लरोसा रभे.

सुरअे आले धअान इकु १७ आयत १५६, १६०.

३४२ तो तुम अपनी निगिहली आहत अयेा छोडो धस जंग ओहोहके मयाभलेमेनी उन्के कुसर मयाअ करे और [ पुदासेली ] उन्के गुनाहोकी मगइरत याहो और मयाभेदात ( सुहो जंग ) मे ( अहस्तुरे साभिक ) उन्को शरीके मशवेरा करलिया करे फिर ( मशवेरेके पाअद ) तुम्हारे दिलमे अेक पात इन नअेगी, तो ( पेतअभमुल कर गुजरो मगर ) लरोसा

१ मुसलमानोको धस हदीस पर नुइर अमल करना और मिथाना रवी धभतियार करना और कुण्डुल अयसे अयना याहिअे. ( सुतरणम. )

पुढाहीपर रभना [मुसलमानो] अगर पुढा तुम्हारी भददपर हय तो शिर  
कोधली तुमपर गालिय आनिवाला नही, और अगर वोह तुम्हो छोड भेठे  
तो उसके छोडे पीछे दूसरा कोन हय जे तुम्हारी भददको भडा हो, और  
मुसलमानोको आडिये के अस्त्राहीपर भरोसा रभ्ये.

सुरखे तवणा इकु ७ आयत पर.

३४३ अय पयगम्बर (तुम धन लोगोसे केह हो) के जे कुछ पुढा  
तयावाने हमारे लिये लिप दिया हय उसके सिवा [कोध और] मुसीबत तो  
हम्हो पहुँच सकती नही वोही हमारा कारसाज हय, और मुसलमानोको  
आडिये के अस अस्त्राहीपर भरोसा रभ्ये.

सुरखे धर्राहीम इकु २ आयत पर.

३४४ और हमारे लिये दिया [किन्तु हो सकता] हय के अस्त्राहपर  
भरोसा न रभ्ये लावाके हमारे येह तरीके [उनपर हम यल रहे हय]  
इसीने हमको यताये, और नयसी नयसी धमये तुम हमको पहुँचाते  
रहे हो [अणतकली हमने उनपर सख किया और आयदाली] हम जुइर  
उनपर सख करते रहेगे, और तवककुल करनेवालोको आडिये के पुढाहीपर  
तवककुल करे.

सुरखे अन्कमुत इकु ६ आयत पट्टे-६०.

३४५ और जे लोग धमान लाये और इन्होने नेक अभलली किये  
इन्हा हम अद्विस्तके आलाआनेमे नगा हगे उनके तले नेकरे येह रही  
होगी [और वोड] उनमे हमेशा [हमेशा] रहेगे नेक अभल करनेवासे  
इन्होने [दुन्यामे] सख किया और अपने परवरदिगारपर भरोसा रभते  
हय इन्हाली (क्याही अन्धा) अफीर हय.

सुरखे तगाथुन आयत १३.

३४६ अस्त्राहही हय सिवाय अस्त्राहके मोध भाअपुठ नही, मुसलमानो  
नोको लानिम हय के अस्त्राहही पर भरोसा रभ्ये.

सुरखे तलाक आयत ३.

३४७ जे शम्स अस्त्राहपर भरोसा रभ्येगा तो पुढा उसकी मुश्केलातके  
हल करनेको दाखी हय. जेशक जे पुढाको मन्जुर होता हय वोह उसको पूरा  
करे रेहता हय [और] अस्त्राहने हर वीजका अंदाज ठेराही रभ्या हय.

अडाहिस.

धुधने अण्णमास, भिशकात.

३४८ रससे अकरम सल्लस्लाडो अलयडे वससुभने इरमाया के मेरी उम्भतके सितार हणर आदमी जे हिसाय नुविये नन्तमे दामिअ डेगे और उन्मे वोड डोग डेगे जे चोरी न करते डेगे और शल न देते डेगे और अपने रथ पर भरोसा रथते डेगे.

उमर गिन अताण, भिशकात.

३४९ हणरत उमर २० इरमाते हंय के मेने रसुलुआड सल्लमसे सुना के आप इरमाते ये के अगर तुम अखाड तयाला पर पूरा भरोसा रथ्यो तो इस तराड तुम्को रोछ पडोयावे जयसे ननवरोको पडोयाता हय के सुण्डको बूके नते हंय शामको पेट भरे आते हंय. ?

धुधने अण्णमास, कुण्णुल आण्णमास.

३५० निरको येड पाहिस डेके सयसे कवी डोगवे इरको दानिम हय के अखाड पर भरोसा करे.

आण्डि, क०४.

३५१ सोय समजके आयद तवककस करना नसीदत हय.



१ या'नी जिसतराड ननवर मुतवककेसन अस्लाड यले नते हंय और ननेके वकत उन्को येड नही मा'लूम होता के उन्को कडासे रोछ मिलेगी, मगर जय वोड खुदा पर भरोसा करके तवाराभे मसरक होते हंय तो खुदा तयाला उन्को रिजक उन्को पडोया देता हय, इसी तराड जे डोग अस्लाड पर भरोसा करके अपनी रोछ तवारा करते हंय उन्को रोछ किरी न किसी जगासे नुडर मिल लती हय. इस हदीस शरीफसे तहाणीर करने और निहो नडद करके रोछ कमनेही नही नही निशतती अस्के येड तवकीन हय के किसी हाकिम, आदशाड अभीर, और नजेहाद वगेरा पर तक्या न करे अस्के अस्लाड तयाला पर भरोसा रथ्यो जिस तराड वोड ननवरोको उन्के तवारा करने पर भिडु किसीके अहसानके रोछ पडोयाता हय इसी तराड तुम्कोभी अगयर किसीकी भिन्नत और अहसानके रोछ पडोयावेगा, और किसी हंसानके मभनुनो भरकर अननेकी नुडरत न डोगी. (मुतरजम)

## आप्युत् तोहमते वल षोडतान

सुरमे निसा ३६ १६ आयत ११

उपर ने शप्स किसी गुनाह या षताका सुरतकिय हो फिर वोह अपने कुसुरको किसी जेगुनाह पर थोप दे तो उसने षोडतान और गुनाह शरीह ( का जोज अपनी गरदन पर ) लाए।

सुरमे नुर ३६ ३ आयत २३-२४.

उपउ ने लोग पाक दामन औरतो पर ( जिनाही ) तोहमत लगाते हंय ने बियारीयां अयसी आतोसे माहज जेअपर [ हंय और ] धमान अमती हंय [ अयसे लोग ] दुन्या और आपेरत [ दोनो ] में मलउन हंय, और [ क्रियामतके दिन ] उन्को अडा सप्त अजाय होगा जयके धनके मुकायलेमें उन्की जयाने और उन्के हाथ और पाडि उन्के आअमालकी गवाही देंगे।

सुरमे अहेअय ३६ ७ आयत ५८.

उप४ और ने लोग मुसलान औरतो और भरदोको जे धसके के उनोने कुसुर कीया हो नाहककी तोहमत लगाकर धजा देते हंय तो वोह जुठ तोशन और सराह गुनाहका जोज अपनी गरदनपर लेते हंय

सुरमे मुमतहे ३६ २ आयत १२

उप५ अय पयगअर, जय तुम्हारे पास मुसलमान औरते आये और तुमसे धसपर अयअत करनी याहे के किसी चीजको अस्लाहका शरीक नही ठेरायेगी और न येरी करेगी और न अदकारी करेगी और न दुअतर कुशी करेगी और न अपने हाथ पाओके आगे कोछ जोहतान अनाकर अडा करेगी और न नेक कामेमें निन्के करनेका तुम हुकम हो तुम्हारी हुकम अहली करेगी तो धसतराह पर तुम उन्से अयअत ले लिया करे, और अदाकी जनाअमे उन्की भगदिरतकी दुआ करे जेशक अस्लाह अयसने वाक्ता भहेरयान हय.

### अधुल्लाह अधुल मुर्द.

उप६ अधुल्लाह धुने उमर केहते हंय के मंयने रसुलुल्लाहको केहते हुवे सुना के अन्की सशरिश धनराये हुदहे धिलाहीमें हाधल हो। याअनी किसी मुजरिमकी सशरिश करे ताके वोह सनअये सरधसे अय नवे तो वोह सशरिश करनेवाला पुदाअये तआलासे मुभासेमत करता हय और न्ने शप्स दीदअये दानिस्ता आतिल याअनी नाहक अमरपर जगडा करता हय वोह पुदा तआलाके गुस्सेमें मुफ्तला रहेता हय नपतक उससे आन न आये और न्ने शप्स किसी मुसलमानके हकमें अयसी आतें कहे न्ने उस्में नहीं हंय तो अस्लाह तआला उस्को दोनअयेमें जगा देता हय नपतक वोह उससे आन न आये और अय हकीकी रिवायतमें हय के न्ने अयसे तनाजेआतमें मदद करता हय अन्के हक और आतिल होनेका उस्को धरम नहीं हय अस्लाहके गनअमें गिरइतार रहेता हय नपतक उससे आन न आये.

### उपादा धिन साअत मिश्कात.

उप७ रसुले अकरम सख्खाहो अलयहे व सख्खने नपके अक गिरोह सहायाका भवजूद था इरमाया के मुअसे धस शर्तपर अयअत करी के अस्लाहका शरीक किसीको न करोगे और न जिना करोगे और न अपनी ओलाहको कल करोगे और न दीदअये दानिस्ता किसीपर छत्तेहाम लगाओगे और न नेक काममें मेरी नाइरमानी करोगे पस न्ने धस आहदको पुरा करे उस्को उस्का अजर अस्लाह के हांसे मिलेगा और न्ने धनि गुनाहोंमेंसे किसीमें मुफ्तलाहो और हुन्याहीमें उस्को सन मिल नवे तो उस्का कइदारा हो गया और न्ने मुफ्तला हुवा और पुदाने उस्की परदा पोशीकी उस्का मुआमेला पुदा तआलासे हय अवाह भआइ करे या सनदे. और हम सपने धसपर अयअतकी.

उप८ रसुले अकरम सख्खने इरमाया हय के सात चीन्हें हलाक करनेवाली हय उनसे अयते रहे। सहाअने दरयाइत किया या रसुलुल्लाह (स.) वोह क्या हंय आपने इरमाया के १ अस्लाहका शरीक किसीको अनाना २ और नदू करना ३ और निस्के कलको अस्लाह तआलाने हसाम कर दिया हय उस्को नाहक कल करना ४ और सुद आरी ५ और यतीमका भास आना ६ और कुइदर के मुकाबिलेमें लडाधसे भागना ७ और मुसलमान ओलाहो वाली पाक दामन औरतोंको जिनाहकी तहोमत लगाना.





सुरमे नुमर ३६ ७ आयत ७०

३६३ ओर हर शप्सको उसके आत्मालकी पूरी जल दी नवेगी ओर अद्वैत तयाला उनके अश्रुआलसे पूम वाकिह हय.

सुरमे नजम ३६ ३ आयत ३३ से २४

३६४ अय पयगम्बर भला तुमने उस शप्स के हाल पर भी नजर की जिसने [ तुम्हारी नसीहतसे ] ३ गरदानी की ओर थोडासा [ राहे पुदासे ] दे कर फिर [ पत्थरकी तराह ] सप्तत हो गया, क्या उसके पास छिद्र गयय हय के उसको अपना अन्जम : द्विभाष्ट दे रहा हय, क्या उसको उन [ आतां ] की अपर नहीं पढोय्यी जे भूसाके सडीकिमे' । क्षप्पी छुत्र हय, ओर नीज छप्पाडीम के सडीकिमे' जिन्होंने अपनी जि'दगीमे' अ'दगीका हक पूरा पूरा अदा किया छनि सडीकिमे' येह क्षिप्पा हय के कोष्ट शप्स हूसरेके गुनाहका जेज अपनी गरदन पर नहीं देगा ओर येह के छन्सानको उतनाही भिसेगा जतनी उसने को'शिशकी ओर येह के उसकी कोशिश आगे चल कर क्रियामतके दिन देपी नवेगी, फिर उसको पूरा पूरा अदला भिसेगा ओर येह के आभिरैकार सयको पुदा तक पढोय्यना हय.

अहादीस.

सालेह, अहप्पुल मुकर्रह

३६५ मयने हजरत अली करमद्लाडो वजहलुके देपी के उन्होंने जेक हिरमकी पन्जुरे' परीदी ओर अपनी यादरमे' उदा लिया मयने या किसी ओर शप्सने अर्ज किया के या अभीइल मोअमेनीन मय आपका जेज उहालुं ? अपने हरभायाके नहीं अयालदरपर हक हय के वोह अपना जेज पुद उहाये. याअनी अपना काम पुद करे.

नाइ, अहप्पुल मुकर्रह.

३६६ नाइअने अहप्पुला छप्ने उमरको सुना के वोह अपने भाषसे जे आगसे आ रहे थे दरयाइत करते थे के किया तुम्हारे कारीगर काम करते हय उन्होंने कहा मुजे माअलूम नहीं छप्ने उमरने कहा अगर तुम सकरी होते तो जे काम तुम्हारे आभिल करते हय तुमभी करते फिर हमारी तरख

મુતવળજેહ હો. કર કહા કે જો શખ્સ અપને કારદોકે સાથ કામ કરતા હય વોહ ખુદ તઆલાકે આમેલોમે' શુમાર હોતા હય.

**જયદ ધિન શાખિત, અદખુલ મુકરદ.**

૩૬૭ હજરત ઉમર ૨૦ એક રોજ જયદ ધિન સાખિત કે પાસ આએ જોર અંદર આનેકી ઇજાજત ચાહી ઉન્કો ઇજાજત દી ગઇ વોહ અંદર આએ તો ઉન્કી લોંડી બાલોંકો દુસ્ત કર રહીથી ઉન્હોંને અપના સર ઉસ્કે હાયોસે અલાહેદાહ કરલિયા હજરત ૨૦ ઉમરને કહા ઉસે બાલ દુસ્ત કરનેદો મંચને કહા કે અગર અમીરૂલ મોઅમેનીન કિસી આદમીકો બેજદેતે તો મંચ હાજિર હોતા હજરત ઉમરને કહા કે કામતો મેરા થા યાઅની મુએહી આના ચાહિએ થા.

**અસવદ ધિન જયદ, ખુખારી.**

૩૬૮ મંચને આએશા સિદીકાસે દરયાફત કયા કે હજરત રસૂલે મક-ખૂલ સલ્લાલાહો અલયહે વસલ્લામ અપને ધરમે' કયા કયા કરતે રેહતે થે ઉન્હોંને દરમાયા કે અપને ધરવાલોંકા કામ કરતેથે જપ્પ અબ્બન સુનતેથે બાહર તકરીર લે જતેથે.

